Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

जीत का श्रेय प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व को जाता है: जगत प्रकाश नड्डा

वर्ष-18, अंक-24 16-31 दिसंबर, 2023 (पाक्षिक) ₹20

विधानसभा चुनाव परिणाम 2023

'भारत की जनता दृढ़ता से सुशासन और विकास की राजनीति के साथ है'

नई दिल्ली में 03 दिसंबर, 2023 को मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा की शानदार जीत के बाद भाजपा मुख्यालय विस्तार में अभिनंदन समारोह में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

नई दिल्ली में 03 दिसंबर, 2023 को मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा की शानदार जीत के बाद भाजपा मुख्यालय विस्तार में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा का स्वागत करते उत्साहित भाजपा कार्यकर्तागण

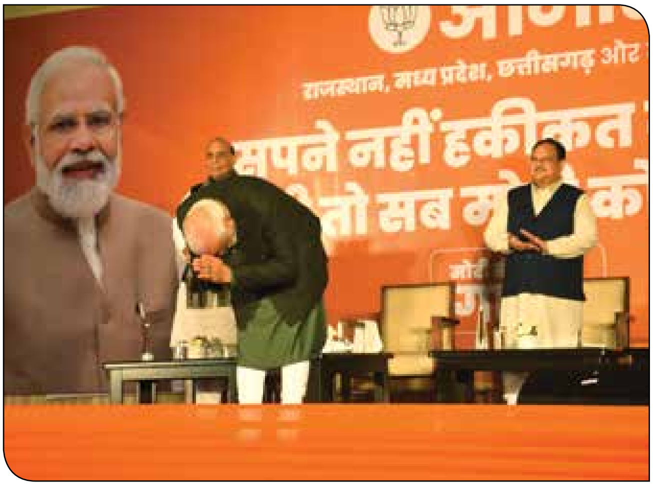

नई दिल्ली में 03 दिसंबर, 2023 को मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में शानदार जीत के बाद भाजपा मुख्यालय विस्तार में अभिनंदन समारोह के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं का अभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 06 दिसंबर, 2023 को भाजपा मुख्यालय में राष्ट्रीय महामंत्रियों की बैठक की अध्यक्षता करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

30 नवंबर, 2023 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के लाभार्थियों के साथ बातचीत करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

धर्मतला (कोलकाता) में 29 नवंबर, 2023 को एक विशाल 'प्रतिवाद सभा' को संबोधित करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों में भाजपा की विशाल जीत

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने पांच राज्यों में हालिया संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में मध्य प्रदेश में शानदार जीत हासिल की तथा राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ में सत्तारूढ़ कांग्रेस को भाजपा ने परास्त किया। 03 दिसंबर, 2023...

07 'यह जीत ऐतिहासिक और अभूतपूर्व है, आज 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना जीती है'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 03 दिसंबर, 2023...

14 जीत का श्रेय प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व को जाता है: जगत प्रकाश नड्डा

मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के पश्चात...

20 'विकसित भारत संकल्प यात्रा का लक्ष्य सरकारी योजनाओं और सेवाओं से वंचित लोगों तक इनका पूर्ण लाभ पहुंचाना है'

इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि विकसित...

30 प्रधानमंत्री ने 2028 में संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन की मेजबानी करने का किया प्रस्ताव

जलवायु से जुड़े अपने वादों को पूरा करने की राह पर आगे बढ़ने वाले दुनिया के कुछ...

ब्लॉग

भारत की जी20 अध्यक्षता के केंद्र में रही है समावेशिता / **नरेन्द्र मोदी** 29

श्रद्धांजलि

वरिष्ठ भाजपा नेता सुनील ओझा नहीं रहे 27

अन्य

हम जनता जनार्दन को नमन करते हैं: नरेन्द्र मोदी 12

भाजपा संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री मोदीजी का जोरदार अभिनंदन 12

जनता को नमन: जगत प्रकाश नड्डा 13

81.35 करोड़ लाभार्थियों को पांच साल तक मिलेगा निःशुल्क अनाज 22

प्रधानमंत्री ने नवनियुक्तों को लगभग 51 हजार नियुक्ति पत्र किये वितरित 22

वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में देश की अर्थव्यवस्था में 7.6 प्रतिशत की हुई भारी वृद्धि 23

रक्षा अधिग्रहण परिषद् ने 2.23 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत अधिग्रहण के प्रस्तावों को दी मंजूरी 25

मोदी स्टोरी 26

कमल पुष्प 27

ये कश्मीर के विस्थापितों को अधिकार और प्रतिनिधित्व देने का बिल है: अमित शाह 31

मन की बात 33

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

आज देश विश्वास और आत्मविश्वास से भरा है। हर सेक्टर में 'मेड इन इंडिया' की धूम है। हमारी सेनाओं की अधिकतर जरूरतें भी 'मेड इन इंडिया' अस्त्र-शस्त्र से ही पूरी की जा रही हैं।

(04 दिसंबर, 2023)

जगत प्रकाश नड्डा

केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ सामाजिक कतार में अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' एक बड़ा माध्यम बन गई है। यह यात्रा माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की गारंटी का प्रमाण है। उनके कुशल नेतृत्व में हम भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

(09 दिसंबर, 2023)

अमित शाह

पश्चिम बंगाल टीएमसी के कुशासन द्वारा फैलाए गए घोर भ्रष्टाचार, बेरोकटोक हिंसा और अनियंत्रित घुसपैठ के खिलाफ खड़ा है। भाजपा की 'प्रतिवाद सभा' में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और अत्याचारी टीएमसी शासन को उखाड़ फेंकने और मोदी जी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार बनाने का संकल्प लिया।

(29 नवंबर, 2023)

राजनाथ सिंह

मुझे जमीनी स्तर पर शानदार प्रयासों के लिए तेलंगाना भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं पर गर्व है। भाजपा ने राज्य में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। हम तेलंगाना में लोगों की सेवा करना जारी रखेंगे।

(03 दिसंबर, 2023)

बी.एल. संतोष

मिजोरम प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा ने सियाहा और पलक विधानसभा सीटें जीतीं हैं। पिछली विधानसभा में हमारे पास केवल एक सीट थी। मिजोरम में जेपीएम और एमएनएफ के बाद भाजपा तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है। इस प्रक्रिया में कांग्रेस चौथे स्थान पर खिसक गयी है।

(04 दिसंबर, 2023)

डॉ. के. लक्ष्मण

प्रगति की लौ जलाएं! विकसित भारत के एंबेसडर के रूप में, आइए भारत के उत्थान के पीछे प्रेरक शक्ति बनें। जन-समर्थक शासन को बढ़ावा देने की इस अविश्वसनीय यात्रा में शामिल होने के लिए 'नमो ऐप' के जरिए भाग लें, साझा करें और दूसरों को प्रेरित करें।

(07 दिसंबर, 2023)

'कमल संदेश' परिवार

की ओर से

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री

भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी

को उनकी जयंती पर

शत शत नमन!

जन्मदिन : 25 दिसंबर

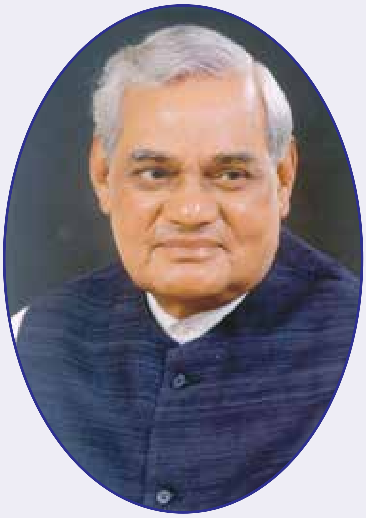

संपादकीय

उज्ज्वल भविष्य की ओर...

हाल में संपन्न विधानसभा चुनावों के परिणाम से यह स्पष्ट हो गया है कि देश की जनता विकास चाहती है तथा 'परफॉर्मेंस' की राजनीति का पूरे दिल से समर्थन कर रही है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी एवं सुदृढ़ नेतृत्व; जो देश को विकसित भारत के संकल्प को पूर्ण करने को समर्पित हैं; के लिए जन समर्थन निरंतर बढ़ता ही जा रहा है। आज देश न केवल आगे बढ़ रहा है, बल्कि हर क्षेत्र में नए प्रतिमान गढ़ रहा है और नई ऊंचाइयों को छू रहा है। 'परफॉर्मेंस' की राजनीति एवं नई कार्य-संस्कृति के फलस्वरूप तथा 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र से देश को नई गति मिली है एवं हर ओर व्यापक परिवर्तन हो रहा है। जहां देश हर स्तर पर चमत्कारिक परिणाम प्राप्त कर रहा है, अंत्योदय एवं गरीब कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से नई आकांक्षाओं को पंख लगे हैं, जिससे गरीब से गरीब का कल्याण सुनिश्चित हुआ है। आज जब भारत विश्व स्तर पर एक चमकता सितारा माना जा रहा है, हर क्षेत्र में वह अपने झंडे गाड़ते हुए 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कृतसंकल्पित है। देश नए विश्वास, संकल्प एवं आशा से एक उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ चला है। परिणाम यह है कि देश की जनता का विश्वास प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दृढ़ से दृढ़तर होता जा रहा है। जन-जन का आशीर्वाद अब भाजपा को मिल रहा है।

> **देश नए विश्वास, संकल्प एवं आशा से एक उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ चला है। परिणाम यह है कि देश की जनता का विश्वास प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दृढ़ से दृढ़तर होता जा रहा है। जन-जन का आशीर्वाद अब भाजपा को मिल रहा है**

मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ में जिस प्रकार का जनादेश प्राप्त हुआ है, उससे जनता का भाजपा के प्रति प्रबल समर्थन, इसके नेतृत्व के प्रति दृढ़ विश्वास तथा श्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी प्रतिबद्धता के प्रति आदर परिलक्षित होता है। लगभग दो दशकों के शासन के बाद भी मध्य प्रदेश में भाजपा को जैसी विशाल विजय मिली है, उससे पता चलता है कि जनसेवा के लिए अथक प्रतिबद्धता से विभाजनकारी राजनीति को बार-बार हराया जा सकता है। जनता के जीवन में व्यापक परिवर्तन लाने की प्रतिबद्धता का ही परिणाम है कि मध्य प्रदेश, जिसे 'बीमारू' राज्यों में गिना जाता था, आज देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ में भी जनता ने भाजपा को भारी समर्थन देकर विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। साथ ही, कांग्रेस शासन में उत्पन्न अवरोधों को विकास के मार्ग से हटा दिया है। छत्तीसगढ़ जहां भाजपा ने अपने 15 वर्षों के शासनकाल में राज्य को नई ऊंचाइयां दी थी, कांग्रेस जिसने 2018 में यहां सरकार बनाई, पुनः राज्य को अपने कुशासन से पीछे धकेल दिया। फलस्वरूप, पांच वर्ष के कांग्रेस कुशासन के पश्चात जनता ने पुनः भाजपा को सरकार बनाने का आशीर्वाद बड़े जनादेश के साथ दिया है। राजस्थान जिसने पांच वर्षों तक कांग्रेस के कुशासन, भ्रष्टाचार, चरमराती कानून व्यवस्था एवं प्रतिगामी नीतियों को सहन किया, उसने पुनः भारी जनादेश देकर भाजपा सरकार निर्वाचित की है। तेलंगाना में न केवल भाजपा का मत-प्रतिशत दोगुना हुआ है, बल्कि पार्टी एक सीट से छलांग लगाकर आठ सीट जीतने में सफल हुई है। मिजोरम में भी भाजपा कांग्रेस को पीछे छोड़ती हुई तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। इन सभी पांचों राज्यों में, जहां तीन राज्यों में भाजपा को भारी जनादेश मिला है, वहीं बाकी दो राज्यों में भी जनता ने अपना अपार आशीर्वाद देकर भाजपा को आगे बढ़ाया है।

भारत की राजनीति अब पूरी तरह से परिवर्तित हो चुकी है। यह जनसेवा का माध्यम बन देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के संकल्प से अभिप्राणित हो रही है। कांग्रेस, इसके सहयोगी दल और इनका भ्रष्टाचार, घोटाले, घपले एवं पॉलिसी पैरालिसिस' का दौर समाप्त हो चुका है। वंशवाद की विभाजनकारी, जातिवादी एवं तुष्टीकरण की प्रतिगामी राजनीति हर चुनाव में दम तोड़ रही है। अवसरवादी एवं सिद्धांतहीन राजनीति धूल चाटने पर मजबूर है। 'परफॉर्मेंस', विकास एवं सुशासन की राजनीति को जनता का अपार जनसमर्थन मिल रहा है। आत्मनिर्भर, विकसित, न्यू इंडिया की ओर करोड़ों पग बढ़ चले हैं। आज जब भारत का उदय हो रहा है, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्र की आकांक्षाओं एवं आशा के प्रतीक बनकर उभरे हैं, जिससे पूरे विश्व में एक उम्मीद जगी है एवं मानवता की सेवा का संकल्प सुदृढ़ हुआ है। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

विधानसभा चुनाव परिणाम 2023

मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों में भाजपा की विशाल जीत

कांग्रेस का सफाया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने पांच राज्यों में हालिया संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में मध्य प्रदेश में शानदार जीत हासिल की तथा राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ में सत्तारूढ़ कांग्रेस को भाजपा ने परास्त किया। 03 दिसंबर, 2023 को चार राज्यों— मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और एक दिन बाद यानी 04 दिसंबर को मिजोरम के नतीजों की घोषणा हुई। भाजपा ने दो तिहाई बहुमत के साथ पांचवीं बार मध्य प्रदेश में शानदार जीत दर्ज कर एक नया इतिहास रचा। वहीं, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को पटखनी देते हुए दोनों राज्यों में जीत का परचम लहराया। तेलंगाना और मिजोरम में भी भाजपा ने पिछली बार की तुलना में अपने प्रदर्शन में सुधार किया, जबकि इन दोनों राज्यों में क्रमशः कांग्रेस और जोरम पीपुल्स मूवमेंट को सरकार बनाने के लिए बहुमत मिला।

भारत के निर्वाचन आयोग के अनुसार मध्य प्रदेश विधानसभा में भाजपा ने 230 सीटों में से 163 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस 66 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रही। राजस्थान में भाजपा ने 199 सीटों में से 115 सीटें प्राप्त कीं, जबकि कांग्रेस को 69 सीटें मिलीं। छत्तीसगढ़ में 90 सदस्यीय सदन में भाजपा ने 54 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस ने 35 सीटें मिलीं। तेलंगाना में कांग्रेस ने 64 सीटें जीतीं, बीआरएस को 39 सीटें मिलीं, जबकि 119 सदस्यीय सदन में भाजपा को 08 सीटें प्राप्त हुईं। मिजोरम में जोरम पीपुल्स मूवमेंट ने 27 सीटों पर जीत दर्ज की तथा निवर्तमान मिजो नेशनल फ्रंट ने 10 सीटें जीतीं और भाजपा ने 02 सीटें प्राप्त कीं। कुल 638 सीटों पर हुए चुनावों में 70 फीसदी से ज्यादा सीटों पर भाजपा विजयी रही। ये शानदार जीत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण, कार्यपद्धति और नेतृत्व में लोगों के विश्वास को दर्शाती है।

शेष पृष्ठ 10 पर...

प्रधानमंत्री ने भाजपा मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया

'यह जीत ऐतिहासिक और अभूतपूर्व है, आज सबका साथ, सबका विकास की भावना जीती है'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 03 दिसंबर, 2023 को भाजपा को तीन राज्यों में मिली प्रचंड जीत के अवसर पर पार्टी मुख्यालय पर आयोजित विजय समारोह को संबोधित किया। अपने संबोधन में जहां उन्होंने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी के विजय को ऐतिहासिक और अभूतपूर्व बताया, वहीं इसे विकसित भारत के आह्वान, 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प और वंचितों को वरीयता के विचार की जीत बताया। इस अवसर पर उन्होंने सभी चुनावी राज्यों के मतदाताओं को नमन करने के साथ ही पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस सुखद परिणाम के बाद कुछ लोग तो यहां तक कहने लगे हैं कि जीत की यह हैट्रिक अब 24 की हैट्रिक की गारंटी है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विरोधी दलों द्वारा जातियों में बांटने की कोशिश पर कहा, "इस चुनाव में देश को जातियों में बांटने की बहुत कोशिशें हुईं, लेकिन मैं लगातार कह रहा था कि मेरे लिए देश में चार जातियां ही सबसे बड़ी जातियां हैं। मैं जब चार जातियों की बात करता हूं तो नारीशक्ति, युवाशक्ति, किसान और गरीब परिवार ही ये चार जातियां हैं। इन चार जातियों को सशक्त करने से ही देश सशक्त होने वाला है। आज बड़ी संख्या में हमारे ओबीसी और आदिवासी साथी इसी वर्ग में आते हैं।" तीन राज्यों में भाजपा को मिली जीत को आज हर गरीब, वंचित, आदिवासी, महिलाएं और किसान इसे अपनी जीत मान रहे हैं। देश का हर नागरिक जो 2047 में भारत को एक विकसित राष्ट्र देखना चाहता है, वो अपनी जीत मानता है।

भाजपा ही नारी की गरिमा, सम्मान और सुरक्षा की सबसे बड़ी गारंटी है

प्रधानमंत्री ने नारीशक्ति की सहभागिता की चर्चा करते हुए कहा कि इन चुनावों में नारीशक्ति ये ठानकर निकली थी कि भाजपा का परचम लहराएगी और जब देश की नारीशक्ति किसी का सुरक्षा कवच बन जाए, तो कैसी भी ताकत हो उसे नुकसान नहीं पहुंचा सकती। आज देश की हर महिला में ये भरोसा जगा है कि भाजपा सरकार में उनकी सक्रिय भागीदारी को नई बुलंदी मिलने वाली है। आज हर बहन-बेटी को साफ-साफ लगता है कि भाजपा ही नारी की गरिमा, सम्मान और सुरक्षा की सबसे बड़ी गारंटी है। उन्होंने कहा कि माताओं-बहनों से किए गए शत-प्रतिशत वायदे पूरे किए जाएंगे। ये मोदी की गारंटी है और मोदी की गारंटी यानी गारंटी पूरा होने की गारंटी।

देश का युवा सिर्फ विकास चाहता है

इन चुनावों में मिले परिणामों के निहितार्थ के बारे में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि चुनाव नतीजों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि देश का युवा सिर्फ और सिर्फ विकास चाहता है। जहां भी सरकारों ने युवाओं के खिलाफ काम किया है, वो सरकारें सत्ता से बाहर हुई हैं। वह चाहे राजस्थान हो, छत्तीसगढ़ हो या तेलंगाना हो। उन्होंने आदिवासी समाज

के बारे में बताया कि आज देश का आदिवासी समाज अब खुलकर अपनी बात रख रहा है, जो कांग्रेस की नीतियों की वजह से सात दशक तक पीछे रहा। आज वही आदिवासी समाज कांग्रेस का सफाया करने का बीड़ा उठा लिया है। गुजरात का पहले का परिणाम हो या आज का एमपी, छत्तीसगढ़ और राजस्थान का परिणाम, आदिवासी अंचल की सीटों पर कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है।

पूरी दुनिया में इन चुनाव परिणामों की गूंज सुनाई देगी

पहली बार की गई अपनी भविष्यवाणी और इस चुनाव परिणाम के असर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि राजनीतिक जीवन के इतने वर्षों में कभी कोई भविष्यवाणी नहीं की, लेकिन पहली बार राजस्थान में गहलोत सरकार की दोबारा वापसी नहीं होने को लेकर जो भविष्यवाणी की वह मेरा राजस्थान के लोगों पर भरोसा था, वहां की जनता पर भरोसा था और आज नतीजे सबके सामने हैं। श्री मोदी ने कहा कि इन चुनाव परिणामों की गूंज सिर्फ एमपी, राजस्थान और छत्तीसगढ़ तक सीमित नहीं रहेगी। पूरी दुनिया में इन चुनाव परिणामों की गूंज सुनाई देगी। ये चुनाव परिणाम जहां भारत पर दुनिया के भरोसे को मजबूती देगा, वहीं दुनिया भर के निवेशकों को भी नया विश्वास देगा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने सेवा और सुशासन का नया मॉडल देश के सामने प्रस्तुत किया है। हमारी नीति और निर्णयों के मूल में देश और देशवासी हैं। उन्होंने कहा कि आज के जनादेश ने ये भी साबित किया है कि भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण और परिवारवाद को लेकर देश के भीतर और हर नागरिक के दिल में जीरो टॉलरेंस बन रही है। आज देश को लगता है कि इन तीनों बुराइयों को खत्म करने में अगर कोई प्रभावी है, तो भाजपा है। भाजपा की केंद्र सरकार ने देश में भ्रष्टाचार के विरुद्ध जो अभियान छेड़ रखा है, उसको भारी जनसमर्थन मिल रहा है।

जब भी विकास होता है, कांग्रेस और उसके साथी विरोध करते हैं

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि चारों राज्यों के चुनाव परिणाम उन ताकतों के लिए चेतावनी है, जो प्रगति और जन कल्याण की राजनीति के खिलाफ खड़े हैं। जब भी विकास होता है, कांग्रेस और उसके साथी

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव परिणाम की मुख्य बातें

- मध्य प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों के लिए 17 नवंबर, 2023 को एक चरण में मतदान हुआ।
- मध्य प्रदेश में लगभग 77.15 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।
- सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश में 230 सीटों वाली विधानसभा में 163 सीटों पर जीत दर्ज की।
- 230 सीटों वाले सदन में भाजपा को दो-तिहाई बहुमत प्राप्त हुआ।
- भाजपा को 48.55 प्रतिशत वोट मिले, जो पिछली बार की तुलना में 7 प्रतिशत अधिक है।
- प्रदेश में कांग्रेस को 66 सीटें और भारत आदिवासी पार्टी को एक सीट मिली है।
- निवर्तमान विधानसभा में भाजपा के 127 और कांग्रेस के 96 सदस्य थे। 4 निर्दलीय सदस्य हैं, जबकि बसपा के दो और सपा का एक सदस्य थे।
- मध्य प्रदेश में भाजपा पांचवीं बार सरकार बनाने जा रही है।
- इससे पहले भारतीय जनता पार्टी ने 2003, 2008, 2013, 2020 में सरकार बनाई थी।
- 2018 के चुनाव में पार्टी को 41.02 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि कांग्रेस का वोट शेयर 40.89 प्रतिशत था।

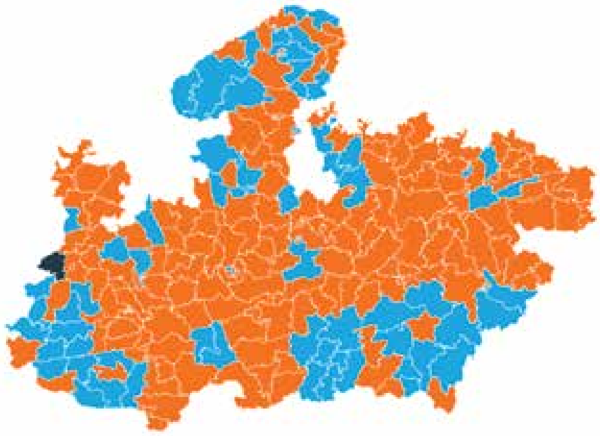

दल का नाम	विजयी
भारतीय जनता पार्टी	163
इंडियन नेशनल कांग्रेस	66
भारत आदिवासी पार्टी	1
कुल	230

- 2013 में भाजपा ने 165 सीटें और कांग्रेस ने 58 सीटें जीती थीं। उन चुनावों में भाजपा को 44.88% वोट मिले, जबकि कांग्रेस को 36.38% वोट मिले थे।

विरोध करते हैं। वह चाहे 'वंदे भारत' ट्रेन का लॉन्च हो, आयुष्मान भारत योजना हो, पीएम आवास योजना हो या नल से जल पहुंचाने की योजना हो कांग्रेस और उसके साथी भ्रष्टाचार का रास्ता बनाने में लग जाते हैं। ऐसी सभी ताकतों को आज गरीब जनता ने चेतावनी दी है कि केंद्र सरकार की गरीब कल्याण योजनाओं और उनके लिए भेजे जा रहे फंड के बीच में आने की कोशिश मत करिए, ये जनता का हक है, जनता आपको चुन-चुनकर के साफ कर देगी।

देश के युवाओं से विकसित भारत का एंबेसडर बनने का आह्वान

देश की विकास गति और गरीबों को मिलने वाले लाभ के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत आगे बढ़ रहा है, भारत का नागरिक आगे बढ़ रहा है। देश के लोग विकसित भारत की यात्रा को गति देना चाहते हैं। उन्होंने देश के युवाओं से विकसित भारत का एंबेसडर बनने और विकसित भारत के संकल्पों का नेतृत्व करने का आह्वान किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए ये बहुत जरूरी है कि कोई भी नागरिक पीछे नहीं छूटे। इन चुनावों में मैंने लगातार कहा है कि हर लाभार्थी तक पहुंचकर भाजपा सरकार उसे सरकारी योजनाओं का लाभ देगी। इसके लिए केंद्र सरकार ने 14 नवंबर यानी जनजातीय गौरव दिवस से विकसित भारत संकल्प यात्रा शुरू की है। योजनाओं से वंचित लोगों को जोड़ने के लिए सरकार खुद लोगों के दरवाज़े पर दस्तक दे रही है। मोदी की गारंटी वाली गाड़ी देश की सफलता की गारंटी बनेगी और ये भी मोदी की गारंटी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक बात सबको याद रखनी चाहिए कि जहां दूसरों से उम्मीद खत्म होती है, वहां से मोदी की गारंटी शुरू होती है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनावों के नतीजों ने पॉजिटिव एनर्जी का एक ऐसा प्रवाह शुरू किया है, जिसे आज पूरा देश महसूस कर रहा है। इस शक्ति ने विकसित भारत के लिए तैयार हुई नींव को और मजबूत कर दिया है।

भाजपा कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां बढ़ीं

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं की बढ़ी हुई जिम्मेदारियों के संदर्भ में कहा, "कार्यकर्ताओं के कर्तव्य बढ़ गए हैं क्योंकि नकारात्मक ताकतों के एकजुट होने के प्रयास तेज होने की आशंका है।" "समाज में कलह को बढ़ावा देने वाले व्यक्ति अब नए अवसरों की तलाश करेंगे। न केवल उनका मुकाबला करना जरूरी है बल्कि उनके झूठे आख्यानों का मुकाबला करना भी जरूरी है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमारे लिए लोगों का विश्वास बनाए रखना सर्वोपरि है।" ■

प्रमुख बातें

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह जीत ऐतिहासिक और अभूतपूर्व है।
- "आज 'सबका साथ, सबका विकास' के विचार की जीत हुई है।"
- "कुछ लोग तो यहां तक कह रहे हैं कि आज की हैट्रिक ने 2024 की हैट्रिक की गारंटी दे दी है।"
- "इस चुनाव में देश को जातियों के आधार पर बांटने की कोशिश की गई।"
- "मैं कहता रहा कि मेरे लिए चार जातियां महत्वपूर्ण हैं - नारी शक्ति, युवा शक्ति, किसान और गरीब परिवार।"
- "मैं महिलाओं को आश्वस्त करना चाहता हूं कि उनसे किए गए सभी वादे 100 प्रतिशत पूरे किए जाएंगे; यह मोदी की गारंटी है।" ■

पृष्ठ 6 का शेष...

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ और मिजोरम के लिए विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान 07 नवंबर, 2023 को हुआ था। पहले चरण के दौरान 90 सदस्यीय छत्तीसगढ़ विधानसभा और 40 सदस्यीय मिजोरम विधानसभा में से 20 सीटों के लिए मतदान हुआ था। मिजोरम में कुल 174 उम्मीदवार मैदान में थे और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 223 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा। मिजोरम में मतदान प्रतिशत 80.62 प्रतिशत से अधिक था, जबकि छत्तीसगढ़ में पहले चरण का मतदान प्रतिशत लगभग 78.07 प्रतिशत था।

इस बीच, मध्य प्रदेश में 230 विधानसभा क्षेत्रों और छत्तीसगढ़ में 90 विधानसभा क्षेत्रों में से 70 के लिए मतदान 17 नवंबर, 2023 को हुआ। छत्तीसगढ़ में 17 नवंबर को दूसरे और आखिरी चरण का मतदान हुआ। छत्तीसगढ़ की 70 सीटों पर कुल 958 उम्मीदवार मैदान में थे।

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में कुल 2,533 उम्मीदवार मैदान में थे और मुख्य लड़ाई सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस के बीच थी। भारत निर्वाचन आयोग के वोटर टर्नआउट ऐप के अनुसार मध्य प्रदेश में दूसरे चरण में 77.15 प्रतिशत मतदान हुआ और छत्तीसगढ़ में 75.88 प्रतिशत मतदान हुआ।

इसी तरह, राजस्थान में विधानसभा चुनाव क्रमशः 25 नवंबर

राजस्थान विधानसभा चुनाव परिणाम की मुख्य बातें

- राजस्थान में विधानसभा चुनाव 25 नवंबर, 2023 को एक चरण में संपन्न हुआ।
- भारत निर्वाचन आयोग के वोटर टर्नआउट ऐप के अनुसार राजस्थान में लगभग 75.45 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। यह 2018 के विधानसभा चुनावों में दर्ज 74.06 प्रतिशत मतदान से थोड़ा अधिक था।
- राजस्थान विधानसभा में 200 सीटें हैं, लेकिन एक उम्मीदवार की मृत्यु के कारण एक सीट पर चुनाव स्थगित कर दिया गया।
- भाजपा ने राजस्थान में जीत का परचम लहराया, जहां 199 सीटों पर मतदान हुआ, उनमें से 115 सीटें भाजपा ने जीतीं।
- कांग्रेस बुरी तरह विफल रही और उसे केवल 69 सीटें मिलीं।
- भारत आदिवासी पार्टी को तीन सीटें और बहुजन समाज पार्टी को दो सीटें मिलीं।
- राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी और राष्ट्रीय लोक दल को एक-एक सीट मिली, जबकि निर्दलीयों को आठ सीटें प्राप्त हुईं।
- भाजपा का वोट शेयर 41.69 फीसदी और कांग्रेस का 39.53 फीसदी रहा।
- राजस्थान में अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के 25 में से 17 मंत्री इस बार विधानसभा चुनाव हार गए।
- भाजपा द्वारा जीती गई सीटों पर नजर डालें तो पता चलता है कि पश्चिमी, मध्य और दक्षिणी राजस्थान में पार्टी का खासा प्रभाव रहा। देखा जाए तो दक्षिणी राजस्थान में केवल दो सीटों पर भारतीय आदिवासी पार्टी विजयी रही, ऐसे में पूरे दक्षिणी राजस्थान क्षेत्र पर भाजपा विजयी रही।

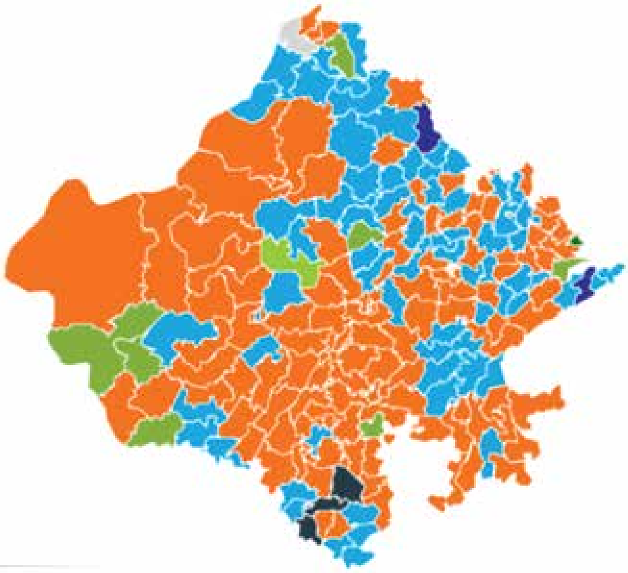

दल का नाम	विजयी
भारतीय जनता पार्टी	115
इंडियन नेशनल कांग्रेस	69
भारत आदिवासी पार्टी	3
बहुजन समाज पार्टी	2
राष्ट्रीय लोक दल	1
राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी	1
निर्दलीय - आईएनडी	8
कुल	199

को और तेलंगाना में 30 नवंबर को हुए थे। भारत निर्वाचन आयोग के वोटर टर्नआउट ऐप के अनुसार राजस्थान में 75.45 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि तेलंगाना में लगभग 71.34 प्रतिशत मतदान हुआ।

तीन प्रमुख राज्यों में भाजपा की जीत जनता के मूड और प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में केंद्र की भाजपा सरकार के प्रदर्शन को दर्शाती है। यहां तक कि इन राज्यों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा और अन्य वरिष्ठ नेताओं द्वारा आयोजित चुनावी सभाओं और भव्य रोड शो के दौरान भी जनता का मूड साफ नजर आया। ऐसा लगता है कि प्रचार के दौरान ही इन राज्यों की जनता ने इस बार भाजपा को निर्णायक जनादेश देने का मन बना लिया था। इन नतीजों ने फिर से साबित कर दिया कि भाजपा अन्य सभी विपक्षी दलों के मुकाबले लोगों की पहली पसंद है और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी देश में सबसे भरोसेमंद और पसंदीदा राजनीतिक नेता हैं। ■

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव परिणाम की मुख्य बातें

- छत्तीसगढ़ विधानसभा के लिए चुनाव दो चरणों में 07 और 17 नवंबर, 2023 को संपन्न हुए। 90 सदस्यीय छत्तीसगढ़ विधानसभा में वोटों की गिनती 03 दिसंबर को हुई।
- पहले चरण में 76.31 फीसदी और दूसरे चरण में 75.88 फीसदी मतदान हुआ।
- छत्तीसगढ़ में चुनावी पंडितों की भविष्यवाणी के विपरीत भारतीय जनता पार्टी ने लगभग पांच वर्षों के बाद प्रदेश में अपनी सबसे बड़ी चुनावी जीत दर्ज की, जिससे कांग्रेस पार्टी की लगातार दूसरी बार सत्ता में वापसी की उम्मीदों पर पानी फिर गया।
- भारतीय चुनाव आयोग की वेबसाइट पर आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार भाजपा ने 46.27 प्रतिशत से अधिक वोट शेयर के साथ 54 सीटें जीती, जबकि कांग्रेस 42.23 प्रतिशत से अधिक वोट शेयर प्राप्त हुआ और वह 35 सीटें जीतने में सफल रही।
- गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने एक सीट जीती है।
- भाजपा की जीत में एक निर्णायक क्षण साजा निर्वाचन क्षेत्र में ईश्वर साहू की जीत थी। वह उस युवक के पिता हैं जिनकी अप्रैल में बिरानपुर में सांप्रदायिक हिंसा में हत्या कर दी गई थी।
- कांग्रेस की हार का मुख्य कारण महादेव ऐप सट्टेबाजी घोटाला, भर्ती अनियमितताएं, भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप, कोयला, शराब, डीएमएफ फंड और पीएससी भर्ती घोटाले आदि रहा, जिसके कारण प्रदेश में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार फैला।
- छत्तीसगढ़ में भाजपा 34 आदिवासी सीटों में से 20 पर विजयी रही, जो राज्य में पार्टी के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में से एक है।

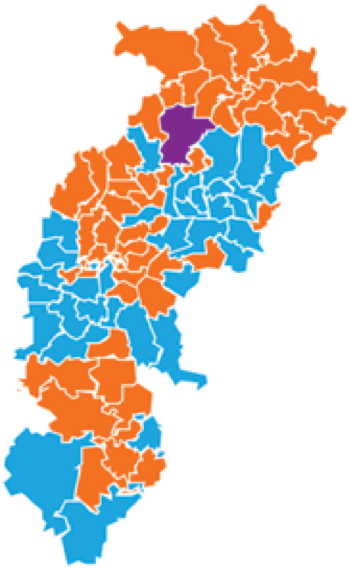

दल का नाम	विजयी
भारतीय जनता पार्टी	54
इंडियन नेशनल कांग्रेस	35
गोंडवाना गणतंत्र पार्टी	1
कुल	90

हम जनता जनार्दन को नमन करते हैं: नरेन्द्र मोदी

पार्टी की प्रचंड जीत के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इन सभी राज्यों के मतदाताओं और कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया। श्री मोदी ने एक्स पर अपने संदेश में कहा, "जनता-जनार्दन को नमन! मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के चुनाव परिणाम बता रहे हैं कि भारत की जनता का भरोसा सिर्फ और सिर्फ सुशासन और विकास की राजनीति में है, उनका भरोसा भाजपा में है। भाजपा पर अपना स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद बरसाने के लिए मैं इन सभी राज्यों के परिवारजनों का, विशेषकर माताओं-बहनों-बेटियों का, हमारे युवा वोटर्स का हृदय से धन्यवाद करता हूं। मैं उन्हें भरोसा देता हूं कि आपके कल्याण के लिए हम निरंतर अथक परिश्रम करते रहेंगे। इस अवसर पर पार्टी के सभी परिश्रमी कार्यकर्ताओं का विशेष रूप से आभार! आप सभी ने अद्भुत मिसाल पेश की है। भाजपा की विकास और गरीब कल्याण की नीतियों को आपने जिस तरह लोगों के बीच पहुंचाया, उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए वो कम है। हम विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। हमें न रुकना है, न थकना है। हमें भारत को विजयी बनाना है। आज इस दिशा में हमने मिलकर एक सशक्त कदम उठाया है।"

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने एक्स संदेश में तेलंगाना के लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा, "तेलंगाना के मेरे प्यारे बहनों और भाइयों, भाजपा को आपके समर्थन के लिए धन्यवाद। पिछले कुछ वर्षों में यह समर्थन बढ़ता ही जा रहा है और आने वाले समय में भी यह सिलसिला जारी रहेगा।

तेलंगाना के साथ हमारा रिश्ता अटूट है और हम लोगों के लिए काम करते रहेंगे। मैं प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता के प्रयासों की भी सराहना करता हूं।

मिजोरम के लोगों को धन्यवाद देते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संदेश में कहा, "मैं उन सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने भाजपा का समर्थन किया। हमारी पार्टी यह सुनिश्चित करने के लिए हमेशा काम करेगी कि मिजोरम प्रगति की नई ऊंचाइयों को छूए। मैं अपने पार्टी कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत की सराहना करता हूं जो राज्य के लोगों तक पहुंचे और सुशासन के हमारे एजेंडे को प्रस्तुत किया। मैं हमारी पार्टी के डॉ. के. बेइचुआ और श्री के. ह्मामो को भी विधायक चुने जाने पर विशेष रूप से बधाई देना चाहता हूं। उनकी आगे की विधायी यात्रा के लिए मेरी शुभकामनाएं।"

मिजोरम में जीत के लिए जोरम पीपुल्स मूवमेंट को बधाई देते हुए प्रधानमंत्रीजी ने कहा, "मिजोरम विधानसभा चुनाव में जीत के लिए जोरम पीपुल्स मूवमेंट और श्री लालदुहोमा को बधाई। मैं मिजोरम की प्रगति को आगे बढ़ाने में हर संभव समर्थन का आश्वासन देता हूं।"

तीन राज्यों की जीत पर श्री मोदी ने कहा, "हर भारतीय का सपना मेरे लिए दृढ़ संकल्प का काम करता है।" श्री मोदी ने विधानसभा चुनावों में भाजपा की बड़ी जीत को भाजपा सरकार के आत्मनिर्भर भारत के एजेंडे की जीत बताया। उन्होंने भाजपा मुख्यालय में समर्थकों की भारी भीड़ को संबोधित करते हुए कहा, "नतीजे भ्रष्टाचार के खिलाफ हमारी लड़ाई के लिए एक लोकप्रिय समर्थन को दिखाते हैं।" उन्होंने कहा कि कांग्रेस और विपक्ष के गठबंधन को एक सबक दिया है कि महज कुछ वंशवादियों को मंच पर इकट्ठा करने से कुछ नहीं हो सकता। यह एक अच्छी फोटो के लिए ठीक है, लेकिन ये लोगों का विश्वास नहीं जीत सकते। ■

भाजपा संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री मोदीजी का जोरदार अभिनंदन

मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों में पार्टी की शानदार जीत के बाद 7 दिसंबर, 2023 को भाजपा संसदीय दल की बैठक के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का खड़े होकर अभिनंदन किया गया।

भाजपा की विशाल जीत का जश्न मनाते हुए और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए पार्टी सांसदों ने उत्साहपूर्वक नारे लगाए, जबकि भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं ने संसद के शीतकालीन सत्र में भाजपा संसदीय दल की पहली बैठक में श्री मोदी को सम्मानित किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री अमित शाह, श्री नितिन गडकरी, श्री पीयूष गोयल, श्री अर्जुन मुंडा, श्री सर्बानंद सोनोवाल और अन्य वरिष्ठ नेता भी उपस्थित थे।

इस सभा के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने संसदीय एजेंडे के

साथ-साथ पार्टी की संगठनात्मक और राजनीतिक पहल से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर संबोधित किया। ■

जनता को नमनः जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा की इस प्रचंड जीत के लिए जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संदेश में श्री नड्डा ने कहा, "मध्य प्रदेश की जनता को नमन! मध्य प्रदेश में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के आदरणीय प्रधानमंत्री जी की नीतियों, भाजपा की विचारधारा को जनता का समर्थन का प्रमाण है। इस प्रचण्ड जीत के लिए मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश अध्यक्ष श्री वीडी शर्मा और अपना सर्वस्व पार्टी के लिए समर्पित करने वाले कार्यकर्ताओं को हृदय से बधाई। डबल इंजन की सरकार मध्य प्रदेश को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विकास की यात्रा पर अनवरत आगे ले जाती रहेगी।

श्री नड्डा ने छत्तीसगढ़ के नेतृत्व और सभी मेहनती कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा, "छत्तीसगढ़ महतारी की जय! भारतीय जनता पार्टी को मिला यह जनादेश आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व पर जनता के विश्वास की मुहर है। यह परिणाम दर्शाता है कि कांग्रेस के भ्रष्टाचार, अराजकता, वादाखिलाफी और तुष्टीकरण के खिलाफ प्रदेश की जनता ने भाजपा के 'सबका-साथ, सबका-विकास, सबका-विश्वास, सबका-प्रयास' के मंत्र को समर्थन दिया है। भाजपा के 15 वर्ष के विकास रथ को प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने रोक रखा था, अब हम मोदी जी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ को और गति के साथ विकास के पथ पर अग्रसर करेंगे। इस जीत के लिए प्रदेश भाजपा नेतृत्व और समस्त कर्मठ कार्यकर्ताओं को हृदय से बधाई देता हूं और प्रदेश की जनता को शुभकामनाएं।"

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने राजस्थान की जनता को हार्दिक धन्यवाद देते हुए कहा, "खम्मा घणी राजस्थान! राजस्थान में भाजपा की भव्य विजय के लिए प्रदेश की जनता को हार्दिक धन्यवाद। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में राजस्थान की जनता ने सेवा, सुशासन और विकास पर मुहर लगाई है। कांग्रेस के तुष्टीकरण, अराजकता और भ्रष्टाचार के विरुद्ध यह जनादेश प्रदेश में भाजपा के नेतृत्व में विकास और जनकल्याण का नया सवेरा है। मैं प्रदेश भाजपा नेतृत्व और सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई देता हूं और जनता का आभार प्रकट करता हूं।

तेलंगाना में जनादेश को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करते हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा, "हम विनम्रतापूर्वक तेलंगाना का जनादेश को स्वीकार करते हैं। भाजपा ने प्रदेश में अपनी स्थिति काफी मजबूत कर ली है। उन लोगों के प्रति मेरा आभार, जिन्होंने इन चुनावों में हमारे दृष्टिकोण पर विश्वास दिखाया। मैं प्रदेश भाजपा के कार्यकर्ताओं को उनके निरंतर प्रयासों और परिश्रम के लिए धन्यवाद देता हूं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तेलंगाना भाजपा, प्रदेश के लोगों की बेहतरी के लिए और भी अधिक मजबूती से काम करेगी। यह दर्शाता है कि लोग विकसित भारत के लिए हमारे एजेंडे का समर्थन कर रहे हैं।"

मिजोरम के लोगों को प्रगति और विकास के लिए आश्वस्त करते हुए श्री जगत प्रकाश नड्डा ने एक्स में अपने संदेश में कहा, "मिजोरम में भाजपा का समर्थन करने वाले सभी लोगों का आभार। हम विनम्रतापूर्वक लोगों के जनादेश को स्वीकार करते हैं और प्रदेश की बेहतरी के लिए प्रयास करते रहेंगे। मैं प्रदेश भाजपा के हमारे सभी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने बड़े दृढ़ विश्वास के साथ अथक प्रयास किए। मैं मिजोरम के लोगों को आश्वासन देता हूं कि हम माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश के विकास के लिए काम करना जारी रखेंगे। ■

भाजपा की अब 12 राज्यों में अपनी और 4 राज्यों में गठबंधन सहयोगियों के साथ सरकार

03 दिसंबर को घोषित चुनाव परिणामों के बाद भाजपा ने तीन राज्यों में शानदार जीत के साथ अपने को शिखर पर कायम रखा और आम चुनाव से कुछ महीने पहले मिली इस जीत ने देश में अपने प्रभाव का विस्तार किया है। पार्टी अब भारत के 28 राज्यों में से 12 में अपने दम पर सत्ता में है और चार अन्य राज्यों में सत्तारूढ़ गठबंधन के साथ सरकार में है। भाजपा राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, गोवा, हरियाणा, असम, त्रिपुरा, मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश में सत्ता में है।

इसके अलावा, पार्टी चार राज्यों— महाराष्ट्र, मेघालय, नागालैंड और सिक्किम में सत्तारूढ़ गठबंधन का भी हिस्सा है।

दूसरी ओर, कांग्रेस के पास अब केवल तीन राज्य बचे हैं— तेलंगाना, कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश। ■

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यकर्ताओं को संबोधन

जीत का श्रेय प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व को जाता है: जगत प्रकाश नड्डा

मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के पश्चात पार्टी के केंद्रीय कार्यालय विस्तार, नई दिल्ली में आयोजित अभिनंदन समारोह को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने संबोधित किया। इससे पहले आदरणीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी ने यशस्वी प्रधानमंत्री जी का करोड़ों पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर से अभिनंदन किया और भाजपा की इस जीत का श्रेय प्रधानमंत्री जी के कालजयी नेतृत्व, कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम और प्रधानमंत्री जी एवं भाजपा के प्रति जनता के अपार प्यार, समर्थन और आशीर्वाद को दिया। कार्यक्रम में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी, केंद्रीय रक्षा मंत्री एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री राजनाथ सिंह जी सहित पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेता एवं भारी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

"मोदी है, तो मुमकिन है"

श्री नड्डा ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा को प्रचंड बहुमत के साथ जीत मिलने पर जनता के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणाम ने स्पष्ट संदेश दिया है कि "देश में किसी की गारंटी है तो एक ही गारंटी है— वह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की गारंटी है। विधानसभा चुनावों के नतीजों ने एक और स्पष्ट संदेश दिया है कि "मोदी है, तो मुमकिन है।"

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने बहुत बड़ी जीत हासिल की है। इसके लिए मैं अपनी ओर से और पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ताओं की ओर से यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रति अभार प्रकट करता हूं। साथ ही, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना की जनता को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने भारतीय जनता पार्टी को आशीर्वाद दिया है।

तेलंगाना विधानसभा चुनाव परिणाम की मुख्य बातें

- तेलंगाना में विधानसभा चुनाव 30 नवंबर, 2023 को एक ही चरण में संपन्न हुआ था।
- तेलंगाना में लगभग 71.34 प्रतिशत मतदान हुआ।
- 2018 के चुनावों में भाजपा को प्रदेश के 119 विधानसभा क्षेत्रों में से केवल एक सीट पर जीत मिली थी, लेकिन 2023 में भाजपा ने जहां अपनी घोषमहल सीट बरकरार रखी और वहीं सात अन्य पर भी जीत हासिल की।
- इस बार भाजपा ने 2018 के चुनावों की तुलना में अच्छा प्रदर्शन किया। पार्टी ने आठ सीटें जीतीं और कम से कम 18 क्षेत्रों में दूसरे स्थान पर रही।
- भाजपा ने आर्मूर, निर्मल, सिरपुर, कागजनगर, आदिलाबाद, मुधोल, निजामाबाद शहरी और गोशामहल में जीत हासिल की।
- जिस पार्टी को 2018 में कुल 6.98 प्रतिशत वोट मिले थे, इस चुनाव में उसका वोट शेयर दोगुना होकर 13.90 प्रतिशत हो गया।
- भाजपा को सफलता उत्तरी तेलंगाना और हैदराबाद क्षेत्र से मिली। भाजपा ने जो आठ सीटें जीतीं, उनमें से सात उत्तरी तेलंगाना से हैं।
- भाजपा उम्मीदवार श्री के. वेंकट रमण रेड्डी ने कामारेड्डी में बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव और पीसीसी प्रमुख ए. रेवंत रेड्डी को हराया।

दल का नाम	विजयी
इंडियन नेशनल कांग्रेस	64
भारत राष्ट्र समिति	39
भारतीय जनता पार्टी	8
ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन	7
कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया	1
कुल	119

श्री नड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जब भी कोई चुनाव लड़ती है चाहे वो देश का चुनाव हो या प्रदेश का हो, समय अनुकूल हो या प्रतिकूल हो, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हमेशा आगे बढ़कर नेतृत्व को संभाला है और चुनौतियों को स्वीकार किया है। उनके अथक प्रयास और मेहनत से संगठन एवं चुनाव की रणनीतियों की छोटी-छोटी बारीकियों को ध्यान में रखकर चुनावी नतीजों को बेहतर परिणाम तक पहुंचाया है। सिर्फ इस बार हुए विधानसभा चुनावों में नहीं, बल्कि इससे पहले हुए अनेक चुनावों में उन्होंने बेहतर परिणाम दिलाया है।

सबके सपनों को साकार करेंगे

राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणाम को रेखांकित करते हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि विधानसभा चुनावों के नतीजों ने स्पष्ट संदेश दिया है कि देश ने समझ लिया है कि अगर कोई गांवों को मजबूती दे सकता है, तो वह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी दे सकते हैं। गांव, गरीब, वंचित, शोषित, दलित, आदिवासी भाई बहनों को समाज की मुख्यधारा में कोई ला सकता है, तो वह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ही ला सकते हैं। देश में सबको विश्वास है कि चाहे महिला सशक्तीकरण हो या चाहे किसानों के सम्मान की बात हो, या युवाओं की आकांक्षाओं एवं इच्छाओं को साकार करने की बात हो, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ही सबको साथ लेकर सबके सपनों को साकार करेंगे।

इंडी एलायंस की जातिवाद और तुष्टीकरण की राजनीति

श्री नड्डा ने कहा कि विधानसभा चुनाव परिणामों ने एक और संदेश दिया है कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'विकास' का पलड़ा इंडी एलायंस की 'जातिवाद और तुष्टीकरण' की राजनीति पर भारी है। इंडी एलायंस ने इस चुनावों में जातिवाद फैलाने, समाज

शेष पृष्ठ 19 पर...

प्रधानमंत्री मोदीजी के करिश्माई नेतृत्व के कारण मिली शानदार जीत: राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने लोगों और कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि यह शानदार जीत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व और भाजपा में लोगों के विश्वास के कारण है जिसने इसे 'लोक लाडली पार्टी' बना दिया है। एक्स पर कई पोस्ट में श्री सिंह ने कहा, "मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में मिली प्रचंड विजय, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व और भाजपा के प्रति प्रबल जनविश्वास की जीत है।"

उन्होंने कहा कि जिस तरह से मोदीजी ने देश की जनता के साथ एक प्रामाणिक, भावनात्मक और आत्मीय संबंध जोड़ा है एवं भाजपा ने जनकल्याण, विकास और सुशासन के प्रति जो प्रतिबद्धता रखी है, उसने भाजपा को जनता के बीच 'लोक लाडली पार्टी' के रूप में स्थापित किया है। आज प्राप्त हुई ऐतिहासिक विजय के पीछे भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री जगत प्रकाश नड्डा के सांगठनिक कौशल और पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयासों और भरपूर परिश्रम का भी पूरा योगदान है। इस शानदार जीत के लिए मैं प्रधानमंत्री मोदीजी, पार्टी अध्यक्ष नड्डाजी एवं सभी कार्यकर्ताओं को बधाई देता हूं तथा इस जनादेश के लिए मैं तीनों राज्यों की जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनका अभिनंदन करता हूं। मुझे जमीनी स्तर पर उनके शानदार प्रयासों के लिए सभी तेलंगाना भाजपा कार्यकर्ताओं पर गर्व है। भाजपा ने राज्य में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। हम तेलंगाना में लोगों की सेवा करना जारी रखेंगे। ■

यह जीत प्रधानमंत्री मोदीजी के सुशासन पर मुहर: अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की कल्याणकारी नीतियों और सुशासन पर जनता की मुहर है। एक्स पर अपने पोस्ट में उन्होंने कहा, "वीरभूमि राजस्थान की जनता का हृदय से आभार... मोदी जी के नेतृत्व वाली भाजपा को जीत का आशीर्वाद देने के लिए राजस्थान की जनता का अभिनंदन करता हूं। यह जीत मोदी जी के नेतृत्व पर जनता के अटूट विश्वास की जीत है। इस शानदार जीत के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी, प्रदेश अध्यक्ष श्री सीपी जोशी जी और प्रदेश भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को बहुत-बहुत बधाई।''

उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा, "मध्य प्रदेश की यह प्रचंड जीत श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार की कल्याणकारी नीतियों और सुशासन पर जनता की मुहर है। प्रचंड बहुमत का आशीर्वाद देकर भाजपा को निरंतर सेवा का अवसर देने के लिए जनता का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। इस जीत पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी, प्रदेश अध्यक्ष श्री वीडी शर्मा जी एवं भाजपा प्रदेश के सभी कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं।"

साथ ही, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ की जीत पर कहा, "छत्तीसगढ़ के जनजातीय, गरीब और किसान बहनों-भाइयों ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी में अपना विश्वास जताकर भाजपा को प्रचंड बहुमत का आशीर्वाद दिया है। इस विशाल जीत के लिए छत्तीसगढ़ की जनता का आभार व्यक्त करता हूं। प्रदेश भाजपा के हमारे सभी कार्यकर्ताओं, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री अरुण साव जी को इस जीत की बधाई।''

"उत्साहवर्धक समर्थन के लिए तेलंगाना की जनता का आभार। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा तेलंगाना के विकास की दिशा में काम करना जारी रखेगी। लोगों के सहयोग से हम निश्चित रूप से तेलंगाना को एक समृद्ध राज्य बनाएंगे। प्रदेश भाजपा के कार्यकर्ताओं और प्रदेश अध्यक्ष श्री जी. किशन रेड्डी जी को उनके अथक प्रयासों के लिए मेरा हार्दिक धन्यवाद।" ■

योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

"प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चार में से तीन राज्यों में भाजपा की जीत की हैट्रिक 'मोदी की गारंटी' में लोगों के विश्वास को दर्शाती है।"

भूपेन्द्र पटेल, मुख्यमंत्री, गुजरात

"मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत से विजय हासिल करने पर भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व, प्रदेश नेतागण एवं देवदुर्लभ सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक अभिनंदन। माननीय मोदी जी का नेतृत्व यानी विकास सुख, शांति एवं समृद्धि की गारंटी। यह गारंटी पर देश के सामान्यजन को पूरा भरोसा है। देश के कोटि-कोटि नागरिकों को भाजपा की विकास की राजनीति पर पूरा विश्वास है। आज की यह विजय उसी भरोसे का यशस्वी परिणाम है। भाजपा के सुशासन में तीनों ही राज्य विकास के नए शिखर पर पहुंचे यही शुभकामना।"

मनोहर लाल खट्टर, मुख्यमंत्री, हरियाणा

"यह कल्याणकारी नीतियों, सुशासन पर जनता की मुहर है।"

हिमंत बिस्वा सरमा, मुख्यमंत्री, असम

"मैं, हमें यह जनादेश देने और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अपना विश्वास प्रकट करने के लिए लोगों को नमन करता हूं। ये नतीजे एक ऐसी गति देंगे कि लोकसभा की 350+ सीटें सुरक्षित हो जाएंगे, जिससे आदरणीय मोदी जी के लिए तीसरा कार्यकाल सुनिश्चित होगा।"

प्रो. (डॉ.) माणिक साहा, मुख्यमंत्री, त्रिपुरा

"मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव परिणाम लोगों की अंतर्निहित भावना को दर्शाते हैं। भारतीय जनता पार्टी और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी पर लोगों का भरोसा नतीजों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।"

एन बीरेन सिंह, मुख्यमंत्री, मणिपुर

"यह जीत लोगों की सामूहिक इच्छा का प्रमाण है और हम अपने महान राष्ट्र की निरंतर प्रगति में योगदान देने के लिए तत्पर हैं।"

पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

"भारत में लोग केवल एक ही गारंटी पर भरोसा करते हैं और वह है 'मोदी की गारंटी'।"

देवेन्द्र फड़णवीस, उपमुख्यमंत्री, महाराष्ट्र

"मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में भाजपा का अच्छा प्रदर्शन दिखाता है कि लोगों के दिल में क्या है और 2024 में लोकसभा और यहां राज्य चुनावों में भी दिखेगा।" ■

मिजोरम विधानसभा चुनाव परिणाम की मुख्य बातें

- मिजोरम में 07 नवंबर, 2023 को एक ही चरण में 40 सदस्यीय मिजोरम विधानसभा के लिए मतदान हुआ।
- भारतीय निर्वाचन आयोग के मतदाता ऐप के अनुसार मिजोरम में मतदान के दौरान लगभग 80.62 प्रतिशत का मतदान हुआ।
- वोटों की गिनती में एक दिन की देरी हुई और यह 04 दिसंबर, 2023 को संपन्न हुई।
- मिजोरम विधानसभा चुनाव में कुल 174 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा।
- सत्तारूढ़ एमएनएफ, जेडपीएम और कांग्रेस ने सभी 40 सीटों पर चुनाव लड़ा, जबकि भाजपा ने 23 निर्वाचन क्षेत्रों पर चुनाव लड़ा।

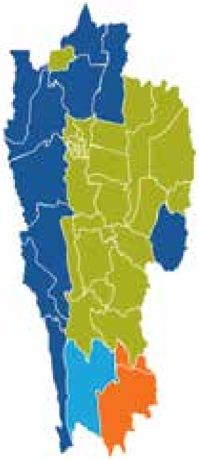

दल का नाम	विजयी
जोरम पीपुल्स मूवमेंट	27
मिजो नेशनल फ्रंट	10
भारतीय जनता पार्टी	2
इंडियन नेशनल कांग्रेस	1
कुल	40

- इन चुनावों में जोरम पीपुल्स मूवमेंट को 27 सीटों पर जीत हासिल हुई। मिजो नेशनल फ्रंट ने 10 सीटें और भाजपा ने 02 सीटें जीतीं। वहीं मिजोरम विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने एक सीट पर विजय हासिल की।
- मिजोरम में इस बार भाजपा ने अपनी शक्ति का विस्तार किया। ■

मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ की जीत के बाद देशभर में जश्न

जैसे ही यह स्पष्ट हुआ कि भाजपा तीन राज्यों के चुनाव में विजयी होने जा रही है, पार्टी कार्यकर्ता ढोल, घंटियां और शंख लेकर नई दिल्ली में भाजपा मुख्यालय के सामने एकत्र होने लगे। भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं ने 03 दिसंबर, 2023 को नई दिल्ली में भाजपा मुख्यालय, सभी राज्य और जिला मुख्यालयों पर मिठाई बांटकर और 'मोदी-मोदी' के नारे लगाकर पार्टी की शानदार जीत का जश्न मनाया। कार्यकर्ताओं ने 'जय श्री राम' के नारे भी लगाए। जीत के बाद पटाखे फोड़ते हुए उन्होंने 'मोदी है तो मुमकिन है' और 'भारत माता की जय' आदि नारे भी लगाए।

पार्टी के नेता और मंत्री भी पार्टी की जीत का जश्न मनाने के लिए विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ताओं के साथ शामिल हुए और मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ के लोगों को भरोसा जताने और भाजपा को सत्ता में लाने के लिए बधाई दी। नतीजे लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी के लिए उत्साहवर्धक हैं और पार्टी के नेतृत्व और नीतियों में लोगों के विश्वास का स्पष्ट संकेत हैं। नतीजों से यह भी पता चलता है कि इन राज्यों में जनता ने कांग्रेस को खारिज कर दिया है। ■

समाचार पत्रों में कवरेज

पृष्ठ 15 का शेष...

को खंडित करने, देश को बांटने की कोशिश की और तुष्टीकरण की राजनीति को आगे बढ़ाया है, लेकिन देश एवं प्रदेश की जनता ने जातिवाद और तुष्टीकरण की राजनीति को सिरे से नकार दिया है।

'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास'

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि विधानसभा चुनावों में नए-नए जोश और नारों के साथ इंडी एलायंस के नेता घड़ियाली आंसू बहाकर ओबीसी-ओबीसी का रट लगाए हुए थे। इंडी एलयांस के नेता भूल जाते हैं कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी भी ओबीसी समुदाय से आते हैं। उन्होंने समाज में 'सबका साथ और सबका विकास' का प्रण लेकर सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र को बढ़ाया है, लेकिन कांग्रेस ने इस चुनाव में जिस प्रकार से देश के सर्वाधिक लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी पर अभद्र टिप्पणियां की हैं, वह न सिर्फ असंसदीय है, बल्कि बहुत ही निम्न स्तरीय राजनीति एवं मानसिकता का भी प्रतीक है। कांग्रेस नेताओं ने ऐसी टिप्पणी की है कि उसे दोहराना भी उचित नहीं है। कांग्रेस नेताओं ने देश के प्रधानमंत्री पर ऐसी गंदी टिप्पणियां करते समय भी यह भी ध्यान में नहीं रखा कि श्री नरेन्द्र मोदी जी को गाली देने का मतलब पिछड़ी जाति (ओबीसी) को गाली देना है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि एक (कांग्रेस) नेता हैं, जो कहते हैं कि मैं माफी नहीं मांगूंगा। उनकी रस्सी जल गयी, किंतु बल नहीं गया है। इस चुनाव के नतीजों ने ऐसे नेताओं के बल एक बार नहीं, बल्कि अनेक पर खत्म किया है।

कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत

श्री नड्डा ने भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत को सराहते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लाखों कार्यकर्ताओं को ह्रदय की गहराइयों से धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने पूरी लगन एवं मेहनत से चुनाव में उतरकर पार्टी को जीत दिलायी है। मीडिया पूछती थी कि भाजपा की रणनीति क्या है? उन्हें मालूम होना चाहिए कि भारतीय जनता पार्टी की एक ही रणनीति है कि पार्टी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों को लेकर कार्यकर्ता दिन-रात जमीन पर मेहनत करते हैं। यह उसी का परिणाम है कि विधानसभा चुनावों में पार्टी को बेहतर परिणाम मिला है। इसके लिए भाजपा के कार्यकर्ताओं को बधाई देता हूं। उन्होंने जनता को परमेश्वर की संज्ञा देते हुए कहा कि भाजपा को किसी जाति, समुदाय या समूह का नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग का आशीर्वाद मिला है, इसके लिए मैं उनके प्रति अभार प्रकट करता हूं। ■

‘विकसित भारत संकल्प यात्रा का लक्ष्य सरकारी योजनाओं और सेवाओं से वंचित लोगों तक इनका पूर्ण लाभ पहुंचाना है’

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 30 नवंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से बातचीत की। उन्होंने प्रधानमंत्री महिला किसान ड्रोन केंद्र का भी शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने एम्स, देवघर में ऐतिहासिक 10,000वें जन औषधि केंद्र का लोकार्पण किया। इसके अलावा, श्री मोदी ने देश में जन औषधि केंद्रों की संख्या 10,000 से बढ़ाकर 25,000 करने के कार्यक्रम की भी शुरुआत की। श्री मोदी ने इस वर्ष की शुरुआत में अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण के दौरान महिला एसएचजी को ड्रोन प्रदान करने और जन औषधि केंद्रों की संख्या 10,000 से बढ़ाकर 25,000 करने जैसी दो पहलों की घोषणा की थी। यह कार्यक्रम इन वायदों को पूर्ण करने का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने झारखंड के देवघर, ओडिशा के रायगढ़ा, आंध्र प्रदेश के प्रकाशम, अरुणाचल प्रदेश के नामसाई और जम्मू-कश्मीर के अरनिया के लाभार्थियों से बातचीत की

इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा को आज 15 दिन पूरे हो रहे हैं और अब इसने गति पकड़ ली है। उन्होंने कहा कि लोगों के स्नेह और भागीदारी को देखते हुए वीबीएसवाई वैन का नाम ‘विकास रथ’ से ‘मोदी की गारंटी वाहन’ में बदल गया है। श्री मोदी ने सरकार में विश्वास जताने के लिए नागरिकों को धन्यवाद दिया। उन्होंने वीबीएसवाई के लाभार्थियों के साथ बातचीत करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनकी भावना, उत्साह और संकल्प की सराहना की। उन्होंने बताया कि ‘मोदी की गारंटी गाड़ी’ अब तक 12,000 से अधिक ग्राम पंचायतों तक पहुंच चुकी है, जहां लगभग 30 लाख नागरिक इससे जुड़ चुके हैं। श्री मोदी ने वीबीएसवाई में महिलाओं की भागीदारी की भी सराहना की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रत्येक गांव का हर व्यक्ति विकास का अर्थ समझता है। उन्होंने कहा कि वीबीएसवाई एक सरकारी पहल से एक जनांदोलन में बदल गया है। नए और पुराने लाभार्थियों और वीबीएसवाई से जुड़े लोगों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बढ़ती डिजिटल गतिविधियों को देखते हुए श्री मोदी ने उनसे नमो ऐप पर ऐसी तस्वीरें और वीडियो अपलोड करने का आग्रह किया, क्योंकि वह दैनिक आधार पर इसे देखते हैं।

उन्होंने कहा कि युवा वीबीएसवाई के राजदूत बन गए हैं। श्री मोदी ने गांवों की स्वच्छता पर वीबीएसवाई के प्रभाव को भी महसूस किया है क्योंकि ‘मोदी की गारंटी वाहन’ के स्वागत के लिए कई स्थानों पर अभियान चलाए गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत

अब न रुकने वाला है और न थकने वाला है। यह भारत के लोग ही हैं जिन्होंने इसे एक विकसित राष्ट्र बनाने का निर्णय लिया है। श्री मोदी ने हाल ही में सम्पन्न हुए त्यौहार के सीजन में 'वोकल फॉर लोकल' को बढ़ावा देने का भी उल्लेख किया।

वर्तमान सरकार ने खराब शासन को सुशासन में बदला

प्रधानमंत्री ने वीबीएसवाई के सफल स्वागत के लिए सरकार में विश्वास और उसके प्रयासों को श्रेय दिया। श्री मोदी ने कहा कि अतीत में एक समय ऐसा भी था जब पिछली सरकार ने नागरिकों की बुनियादी जरूरतों को नजरअंदाज कर दिया था, जब एक बड़ी आबादी घरों, शौचालयों, बिजली, गैस कनेक्शन, बीमा या बैंक खातों जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित थी। प्रधानमंत्री ने रिश्वत जैसी भ्रष्ट प्रथाओं की व्यापकता का भी उल्लेख किया। श्री मोदी ने तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति पर भी निशाना साधते हुए कहा कि इन सरकारों के पास नागरिकों का विश्वास नहीं था।

उन्होंने कहा कि यह वर्तमान सरकार है जिसने खराब शासन को सुशासन में बदल दिया है और संपूर्णता हासिल करने का लक्ष्य रखा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार को नागरिकों की जरूरतों को पहचानना चाहिए और उन्हें उनके अधिकार देने चाहिए। यह प्राकृतिक न्याय है, यह सामाजिक न्याय है। श्री मोदी ने कहा कि इस दृष्टिकोण के कारण एक नई आकांक्षा जगी है और करोड़ों नागरिकों के बीच उपेक्षा की भावना समाप्त हुई है। श्री मोदी ने कहा कि मोदी की गारंटी वहीं से शुरू होती है जहां दूसरों से उम्मीदें खत्म होती हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 'विकसित भारत' का संकल्प मोदी या किसी सरकार का नहीं है, यह सभी को विकास के पथ पर साथ लेकर चलने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य सरकारी योजनाओं और लाभ को उन लोगों तक पहुंचाना है जो पीछे रह गए हैं। श्री मोदी ने कहा कि वह नमो ऐप पर विकास से जुड़े सभी मामलों की सूक्ष्मता से निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने जनजातीय क्षेत्रों में सिकल सेल एनीमिया के लिए ड्रोन प्रदर्शनों, स्वास्थ्य जांच शिविरों और निरीक्षण शिविरों का भी उल्लेख किया।

श्री मोदी ने कहा कि वीबीएसवाई के आगमन के साथ कई पंचायतें पहले ही संपूर्ण लाभ प्राप्त कर चुकी हैं और जो पीछे रह गए थे उन्हें और जानकारी प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों को उज्ज्वला और आयुष्मान कार्ड जैसी कई योजनाओं से तुरंत जोड़ा जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले चरण में 40,000 से अधिक लाभार्थियों को उज्ज्वला गैस कनेक्शन दिया गया है। उन्होंने युवाओं से मेरा भारत स्वयंसेवक के रूप में पंजीकरण करने और 'मेरा भारत अभियान' में शामिल होने का भी आग्रह किया।

'विकसित भारत' के 4 अमृत स्तंभ

वीबीएसवाई के शुभारंभ का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह 'विकसित भारत' के 4 अमृत स्तंभों— भारत की नारी शक्ति, युवा शक्ति, किसानों और भारत के गरीब परिवारों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि इन चार स्तंभों की प्रगति ही भारत को एक विकसित देश बनाएगी। श्री मोदी ने कहा कि सरकार जीवन स्तर में सुधार लाने और गरीब परिवारों से गरीबी दूर करने, युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों का सृजन करने, भारत की महिलाओं को अपने मसलों से निपटने में सशक्त बनाने और भारत के किसानों की आय एवं क्षमताओं में सुधार करने का प्रयास करती है।

श्री मोदी ने कहा कि जब तक गरीबों, महिलाओं, किसानों और युवाओं के मुद्दों का पूरी तरह समाधान नहीं हो जाता, वह चैन से नहीं बैठेंगे।

प्रधानमंत्री ने कृषि में ड्रोन के उपयोग के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने और गरीब परिवारों के लिए सस्ती कीमतों पर दवाएं उपलब्ध कराने से संबंधित अन्य दो विकासों पर भी चर्चा की। पीएम महिला किसान ड्रोन केंद्रों के शुभारंभ की जानकारी देते हुए श्री मोदी ने अपने स्वतंत्रता दिवस के भाषण के दौरान ड्रोन दीदी की घोषणा को याद करते हुए कहा कि आने वाले समय में ड्रोन पायलटों के प्रशिक्षण के साथ-साथ 15,000 स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन उपलब्ध कराए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को 'आत्मनिर्भर' बनाने के लिए संचालित किए जा रहे इस अभियान को ड्रोन दीदी से मजबूती मिलेगी और आय के अतिरिक्त साधन उपलब्ध होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे देश के किसानों को बहुत कम मूल्य पर ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीक मिल सकेगी जिससे समय, दवा और उर्वरक की बचत होगी।

10,000 जन औषधि केंद्र

श्री मोदी ने 10,000वें जन औषधि केंद्र के उद्घाटन का उल्लेख करते हुए कहा कि यह गरीबों और मध्यम वर्ग के लिए सस्ती दरों पर दवाएं खरीदने का केंद्र बन चुका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जन औषधि केंद्रों को अब 'मोदी की दवा की दुकान' कहा जा रहा है। श्री मोदी ने नागरिकों को उनके स्नेह के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि ऐसे केंद्रों पर लगभग 2000 प्रकार की दवाएं 80 से 90 प्रतिशत छूट पर बेची जाती हैं। श्री मोदी ने जन औषधि केंद्रों की संख्या 10,000 से बढ़ाकर 25,000 करने के कार्यक्रम की शुरुआत के लिए नागरिकों, विशेषकर देश की महिलाओं को बधाई दी। उन्होंने इस बात पर भी प्रसन्नता जताई कि पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना को अगले 5 वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया है। श्री मोदी ने कहा कि मोदी की गारंटी का मतलब पूर्ति की गारंटी है। ■

81.35 करोड़ लाभार्थियों को पांच साल तक मिलेगा निःशुल्क अनाज

केंद्र पीएमजीकेएवाई के तहत खाद्य सब्सिडी पर अगले 5 वर्षों में लगभग 11.80 लाख करोड़ रुपए व्यय करेगा

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 29 नवंबर को निर्णय लिया कि केंद्र सरकार 1 जनवरी, 2024 से पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत लगभग 81.35 करोड़ लाभार्थियों को निःशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराएगी।

यह एक ऐतिहासिक निर्णय है जो पीएमजीकेएवाई को विश्व की सबसे बड़ी सामाजिक कल्याण योजनाओं में शामिल करता है, जिसका उद्देश्य 5 वर्ष की अवधि में 11.80 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर 81.35 करोड़ व्यक्तियों के लिए भोजन और पोषण संबंधी सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

1 जनवरी, 2024 से 5 वर्षों के लिए पीएमजीकेएवाई के तहत निःशुल्क खाद्यान्न (चावल, गेहूं और मोटा अनाज/पोषक अनाज) खाद्य सुरक्षा को सुदृढ़ बनाएगा और जनसंख्या के निर्धन और निर्बल वर्गों की किसी भी वित्तीय कठिनाई में कमी लाएगा। यह एक समान लोगो के तहत 5 लाख से अधिक उचित मूल्य की दुकानों के नेटवर्क के माध्यम से सभी राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में निःशुल्क खाद्यान्न वितरण में राष्ट्रव्यापी एकरूपता प्रदान करेगा।

यह ओएनओआरसी-वन नेशन वन राशन कार्ड पहल के तहत लाभार्थियों को देश में किसी भी उचित मूल्य की दुकान से निःशुल्क खाद्यान्न उठाने की अनुमति देने के जरिए जीवन को सुगम बनाने में भी सक्षम बनाएगा।

उल्लेखनीय है कि एक अंत्योदय परिवार के लिए 35 किलो चावल की आर्थिक लागत 1371 रुपए है, जबकि 35 किलो गेहूं की कीमत 946 रुपए है, जो पीएमजीकेएवाई के तहत भारत सरकार द्वारा वहन की जाती है और परिवारों को खाद्यान्न पूरी तरह से निःशुल्क प्रदान किया जाता है। इस प्रकार निःशुल्क खाद्यान्न के कारण राशन कार्ड धारकों को होने वाली मासिक बचत महत्वपूर्ण है।

भारत सरकार की राष्ट्र के नागरिकों के लिए पर्याप्त मात्रा में गुणवत्ता वाले खाद्यान्न की उपलब्धता के माध्यम से उन्हें भोजन और पोषण संबंधी सुरक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करके एक सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता है। यह योजना पीएमजीकेएवाई के तहत कवर किए गए 81.35 करोड़ व्यक्तियों के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता को पूरा करने में योगदान देगी। ■

प्रधानमंत्री ने नवनियुक्तों को लगभग 51 हजार नियुक्ति पत्र किये वितरित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 30 नवंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रोजगार मेले को संबोधित किया और नवनियुक्तों को लगभग 51 हजार नियुक्ति पत्र वितरित किये। देश भर से चयनित नवनियुक्त राजस्व विभाग, गृह मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, वित्तीय सेवा विभाग, रक्षा मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा श्रम और रोजगार मंत्रालय सहित विभिन्न मंत्रालयों/विभागों में कार्यरत किए जाएंगे।

रोजगार मेला

नवनियुक्तों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि युवाओं के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करने का सरकार का अभियान लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने आज के विशेष अवसर पर ध्यान आकर्षित किया, जब देश भर में 50 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियों के लिए नियुक्ति पत्र सौंपे जा रहे हैं।

श्री मोदी ने रेखांकित किया कि नियुक्ति पत्र नियुक्त किए गए लोगों की कड़ी मेहनत और परिश्रम का परिणाम है। इस अवसर पर नई नियुक्तियों और उनके परिवारों को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वे उस प्रणाली का हिस्सा बनने जा रहे हैं जो सीधे जनता से जुड़ी है। एक सरकारी कर्मचारी के रूप में श्री मोदी ने नई नियुक्तियों द्वारा निभाए जाने वाले कर्तव्यों और जिम्मेदारियों पर जोर दिया और कहा कि आम लोगों की 'जीवन सुगमता' को सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

प्रधानमंत्री ने नवनियुक्तों से कहा कि वे बदलते भारत में आधुनिक राजमार्गों, रेलवे स्टेशनों, हवाई अड्डों और जलमार्गों के क्षेत्र में अवसंरचना-क्रांति देख रहे हैं। बुनियादी ढांचे में भारी निवेश से लाखों नई नौकरियां पैदा हो रही हैं।

परियोजनाओं को पूरा करने में मिशन मोड के बारे में श्री मोदी ने कहा, "अधूरी परियोजनाएं देश के ईमानदार करदाताओं के साथ एक बड़ा अन्याय है। हाल के वर्षों में केंद्र सरकार ने लाखों करोड़ रुपये की परियोजनाओं की समीक्षा की है और उन्हें तेजी से पूरा कराया है, जिससे रोजगार के नए रास्ते खुले हैं।" ■

वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में देश की अर्थव्यवस्था में 7.6 प्रतिशत की हुई भारी वृद्धि

मौजूदा कीमतों पर 2023-24 की पहली छमाही में जीडीपी 142.33 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान 131.09 लाख करोड़ रुपये थी

विनिर्माण समेत कई क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन के कारण वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही जुलाई-सितंबर में देश की अर्थव्यवस्था में 7.6 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 6.2 प्रतिशत थी। इसके साथ भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तीव्र आर्थिक वृद्धि दर हासिल करने वाला देश बना हुआ है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा 30 नवंबर को जारी आंकड़ों के अनुसार विनिर्माण क्षेत्र में जीवीए वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 13.9 प्रतिशत रही, जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में इसमें 3.8 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के अनुसार 2023-24 की दूसरी तिमाही में स्थिर (2011-12) कीमतों पर वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद या सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 41.74 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जबकि 2022-23 की दूसरी तिमाही में यह 38.78 लाख करोड़ रुपये था जो 2022-23 की दूसरी तिमाही में 6.2 प्रतिशत की तुलना में 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

2023-24 की दूसरी तिमाही में नॉमिनल जीडीपी या सकल घरेलू उत्पाद 71.66 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है, जबकि 2022-23 की दूसरी तिमाही में यह 65.67 लाख करोड़ रुपये था, जो कि 2022-23 की दूसरी तिमाही के 17.2 प्रतिशत की तुलना में 9.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

अप्रैल-सितंबर 2023-24 (एच1 2023-24) में स्थिर (2011-12) कीमतों पर सकल घरेलू उत्पाद का अनुमान 82.11 लाख करोड़ रुपये है, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान यह 76.22 लाख करोड़ रुपये था, जो 2022-23 की पहली छमाही में 9.5 प्रतिशत के मुकाबले 2023-24 पहली छमाही (एच1) में 7.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। मौजूदा कीमतों पर 2023-24 की पहली छमाही में जीडीपी 142.33 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान 131.09 लाख करोड़ रुपये थी, जो 2022-23 की पहली छमाही के 22.2 की तुलना में 2023-24 की पहली छमाही में 8.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। ■

दूसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़े भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और दमदार क्षमता को दर्शाते हैं: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि दूसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़े वैश्विक स्तर पर परीक्षा की ऐसी घड़ी में भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और दमदार क्षमता को दर्शाते हैं। प्रधानमंत्री ने 'X' पर पोस्ट किया कि दूसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़े वैश्विक स्तर पर परीक्षा की ऐसी घड़ी में भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और दमदार क्षमता को दर्शाते हैं। हम अधिक-से-अधिक अवसर सृजित करने, गरीबी का तेजी से उन्मूलन करने और अपने देशवासियों के लिए 'जीवनयापन को और ज्यादा आसान' बनाने के लिए तेज गति से विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

आठ प्रमुख उद्योगों की अक्टूबर, 2023 में 12.1 प्रतिशत की तीव्र वृद्धि

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा 30 नवंबर को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार आठ प्रमुख उद्योगों (आईसीआई) के संयुक्त सूचकांक में अक्टूबर, 2022 के सूचकांक की तुलना में अक्टूबर, 2023 में 12.1 प्रतिशत (अनंतिम) की वृद्धि हुई। सीमेंट, कोयला, कच्चा तेल, विद्युत, उर्वरक, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद और इस्पात के उत्पादन में सितंबर, 2023 में पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई।

आईसीआई आठ प्रमुख उद्योगों जैसे सीमेंट, कोयला, कच्चा तेल, बिजली, उर्वरक, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद और इस्पात के उत्पादन के संयुक्त और विशिष्ट निष्पादन को मापता है। आठ प्रमुख उद्योगों में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में शामिल वस्तुओं का 40.27 प्रतिशत हिस्सा शामिल है।

जुलाई, 2023 के लिए आठ प्रमुख उद्योगों के सूचकांक की अंतिम वृद्धि दर को संशोधित कर 8.5 प्रतिशत कर दिया गया है। अप्रैल से अक्टूबर, 2023-24 के दौरान आईसीआई की संचयी वृद्धि दर पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 8.6 प्रतिशत (अनंतिम) दर्ज की गई। ■

नवंबर, 2023 में जीएसटी राजस्व संग्रह 15 प्रतिशत की सर्वाधिक वृद्धि के साथ 1,67,929 लाख करोड़ रुपये रहा

सकल जीएसटी संग्रह वित्त वर्ष 2023-24 में छठी बार 1.60 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचा; जीएसटी संग्रह वित्त वर्ष 2023-24 में नवंबर, 2023 तक सालाना आधार पर 11.9 प्रतिशत बढ़ा

केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा एक दिसंबर को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार नवंबर, 2023 में सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 1,67,929 करोड़ रुपये रहा, जिसमें सीजीएसटी 30,420 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 38,226 करोड़ रुपये, आईजीएसटी 87,009 करोड़ रुपये (वस्तुओं के आयात पर एकत्र किए गए 39,198 करोड़ रुपये सहित) है और उपकर 12,274 करोड़ रुपये (वस्तुओं के आयात पर एकत्र किए गए 1,036 करोड़ रुपये सहित) है।

केंद्र सरकार ने आईजीएसटी से सीजीएसटी को 37,878 करोड़ रुपये और एसजीएसटी को 31,557 करोड़ रुपये का निपटान किया है। नियमित निपटान के बाद नवंबर, 2023 में केंद्र और राज्यों का कुल राजस्व सीजीएसटी के लिए 68,297 करोड़ रुपये और एसजीएसटी के लिए 69,783 करोड़ रुपये है।

नवंबर, 2023 में राजस्व पिछले साल के इसी महीने के जीएसटी राजस्व से 15 प्रतिशत अधिक है और 2023-24 के दौरान नवंबर, 2023 तक सालाना आधार पर किसी भी महीने के लिए सर्वाधिक है। नवंबर महीने के दौरान घरेलू लेन-देन (सेवाओं के आयात सहित) से प्राप्त राजस्व पिछले वर्ष के इसी महीने के दौरान इन स्रोतों से प्राप्त राजस्व से 20 प्रतिशत अधिक है।

यह छठी बार है कि वित्त वर्ष 2023-24 में सकल जीएसटी संग्रह 1.60 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया। नवंबर, 2023 में समाप्त वित्त वर्ष 2023-24 में सकल जीएसटी संग्रह [13,32,440 करोड़ रुपये, औसतन 1.66 लाख करोड़ रुपये प्रति माह] नवंबर, 2022 में समाप्त वित्त वर्ष 2022-23 के सकल जीएसटी संग्रह [11,90,920 करोड़ रुपये, औसतन 1.49 लाख करोड़ रुपये प्रति माह] से 11.9% अधिक है। ■

प्रधानमंत्री ने 10,000वें जन औषधि केंद्र का किया उद्‌घाटन

जन स्वास्थ्य सेवाओं में एक बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 30 नवंबर को एम्स, देवघर में 10,000वां जन औषधि केंद्र देश को समर्पित किया और प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के जरिए जनता को गुणवत्तापूर्ण और सस्ती दवाएं उपलब्ध कराने की सरकार की प्रतिबद्धता को पुष्ट किया।

इस पहल का उद्देश्य बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि देश भर में जनऔषधि केंद्र खोले गए हैं, जहां ऊंची गुणवत्ता वाली दवाएं बाजार दरों से 50%-90% सस्ती बेची जा रही हैं। इससे न केवल गरीबों को, बल्कि मध्यम वर्ग को भी बहुत फायदा हुआ है। साथ ही, इस पहल का विस्तार करने की केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता देश भर में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और सामर्थ्य बढ़ाने के प्रति उसके समर्पण को दर्शाती है। ■

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत बने 2.5 करोड़ मकान

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा पांच दिसंबर को जारी एक बयान के अनुसार 2.95 करोड़ मकानों के अनिवार्य लक्ष्य के मुकाबले विभिन्न राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा लाभार्थियों को 2.94 करोड़ से अधिक मकान पहले ही स्वीकृत किए जा चुके हैं और 2.50 करोड़ मकानों का निर्माण भी 29.11.2023 को पूरा कर लिया गया। यह योजना अपने प्रमुख मील के पत्थर हासिल करने में सक्षम रही है और मंत्रालय 31 मार्च, 2024 की निर्धारित समय सीमा तक 2.95 करोड़ पक्के घरों के निर्माण के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उल्लेखनीय है कि ग्रामीण क्षेत्रों में मार्च, 2024 तक बुनियादी सुविधाओं के साथ 2.95 करोड़ पक्के मकान बनाने के समग्र लक्ष्य के साथ 'सभी के लिए आवास' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय पात्र ग्रामीण परिवारों को सहायता प्रदान करने के लिए 1 अप्रैल, 2016 से प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) लागू कर रहा है।

पीएमएवाई-जी के तहत केंद्रीय सहायता राज्य/केंद्रशासित प्रदेश को एक इकाई मानकर सीधे राज्य/केंद्रशासित प्रदेश को जारी की जाती है। विभिन्न जिलों/ब्लॉकों/ग्राम पंचायतों में लाभार्थियों को ये धनराशि जारी करने का काम संबंधित राज्य सरकार/केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन द्वारा किया जाता है।

पिछले पांच वर्षों यानी वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2022-23 के दौरान पीएमएवाई-जी के तहत आवासों के निर्माण के लिए राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों को जारी की गई केंद्रीय हिस्सेदारी की राशि लगभग 1,60,853.38 करोड़ रुपये थी। राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा निधियों का संगत उपयोग राज्य/केंद्रशासित प्रदेश के हिस्से सहित 2,39,334.02 करोड़ रुपये था। ■

रक्षा अधिग्रहण परिषद् ने 2.23 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत अधिग्रहण के प्रस्तावों को दी मंजूरी

रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भरता' को अधिक बढ़ावा देने के लिए 98 प्रतिशत राशि घरेलू उद्योगों से जुटाई जाएगी; एचएएल से हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर और हल्के लड़ाकू विमान एमके 1ए की खरीद को मंजूरी मिली

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में 30 नवंबर, 2023 को रक्षा अधिग्रहण परिषद् (डीएसी) ने 2.23 लाख करोड़ रुपये की राशि के विभिन्न पूंजीगत अधिग्रहण प्रस्तावों के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) के संबंध में अपनी मंजूरी दी। इन प्रस्तावों में 2.20 लाख करोड़ रुपये (कुल एओएन राशि का 98 प्रतिशत) की राशि घरेलू उद्योगों से जुटाई जाएगी। इससे 'आत्मनिर्भरता' के लक्ष्य हासिल करने की दिशा में भारतीय रक्षा उद्योग को काफी बढ़ावा मिलेगा।

डीएसी ने दो तरह की एंटी-टैंक युद्ध सामग्री, एरिया डेनियल म्यूनिशन (एडीएम) टाइप-2 और टाइप-3 की खरीद के लिए एओएन को मंजूरी दे दी, जो टैंक और बख्तरबंद कर्मियों के वाहक और दुश्मनों के वार को बेअसर करने में सक्षम हैं। अपनी सेवाकाल की अवधि पूरी कर चुकी इंडियन फील्ड गन (आईएफजी) को बदलने के लिए अत्याधुनिक टोड गन सिस्टम (टीजीएस) को मंजूरी दी गई, जो भारतीय सेना के तोपखाने बलों का मुख्य आधार बनेंगी। एओएन को 155 मिमी आर्टिलरी गन में उपयोग के लिए 155 मिमी नबलेस प्रोजेक्टाइल के लिए भी मंजूरी दी गई थी, जो प्रोजेक्टाइल की घातकता और सुरक्षा को बढ़ाएगी।

बाई (इंडिया) श्रेणी के तहत टी-90 टैंकों के लिए स्वचालित लक्ष्य ट्रैकर (एटीटी) और डिजिटल बेसाल्टिक कंप्यूटर (डीबीसी) की खरीद के लिए एओएन की मंजूरी दी गई, जो प्रतिद्वंद्वी प्लेटफार्मों पर टी-90 टैंकों की लड़ाकू क्षमता बनाए रखने में मदद करेंगे।

इसके अलावा, डीएसी ने भारतीय वायु सेना (आईएएफ) और भारतीय सेना के लिए लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर (एलसीएच) और हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से आईएएफ के लिए लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) एमके 1ए की खरीद के लिए बाई (इंडियन-आईडीडीएम) के तहत एओएन प्रदान किया गया है। एचएएल से स्वदेशी तौर पर सुखोई-30 एमकेआई विमान के उन्नयन के लिए डीएसी ने एओएन प्रदान किया है। जहां इन उपकरणों की खरीद से भारतीय वायुसेना को भारी ताकत मिलेगी, वहीं घरेलू रक्षा उद्योगों की भी इस अधिग्रहण से क्षमता नई ऊंचाई पर पहुंचेगी। इससे विदेशी मूल के उपकरण निर्माताओं (ओईएम) पर निर्भरता भी काफी सीमा तक कम हो जाएगी।

इसके अलावा, स्वदेशीकरण को अधिकतम करने के लिए डीएसी ने रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी) 2020 में एक बड़े संशोधन को अपनी मंजूरी दे दी। यह निर्णय लिया गया कि अब से खरीद के मामलों की सभी श्रेणियों में न्यूनतम 50 प्रतिशत खरीदारी सामग्री, घटक और सॉफ्टवेयर के रूप में स्वदेशी घटक की होगी जो भारत में निर्मित होंगे। ■

भारतीय रेल ने नवंबर, 2023 तक 1015.6 एमटी माल लदान का लक्ष्य किया हासिल

रेलवे ने पिछले वर्ष के 1,05,905.1 करोड़ रुपये की कमाई की तुलना में 1,10,007.5 करोड़ रुपये की कमाई की

रेल मंत्रालय द्वारा एक दिसंबर को जारी एक बयान के अनुसार अप्रैल-नवंबर 2023 के दौरान संचयी आधार पर भारतीय रेल द्वारा पिछले वर्ष की 978.724 एमटी के माल लदान की तुलना में 1015.669 एमटी की माल लदान हासिल की गई, जोकि पिछले वर्ष की इसी अवधि के माल लदान की तुलना में लगभग 36.945 एमटी का सुधार है। रेलवे ने पिछले वर्ष के 1,05,905.1 करोड़ रुपये की कमाई की तुलना में 1,10,007.5 करोड़ रुपये की कमाई की, जोकि कि पिछले वर्ष की समान अवधि में होने वाली कमाई की तुलना में लगभग 4102.445 करोड़ रुपये का सुधार है।

नवंबर, 2022 में 123.088 एमटी के लदान की तुलना में नवंबर, 2023 के महीने के दौरान 128.419 एमटी का प्रारंभिक माल लदान हासिल किया गया, जोकि पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 4.33 प्रतिशत का सुधार है। नवंबर, 2022 में माल ढुलाई से प्राप्त होने वाले 13,559.83 करोड़ रुपये के राजस्व की तुलना में नवंबर, 2023 में 14,077.94 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल किया गया, जोकि पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 3.82 प्रतिशत का सुधार दर्शाता है। ■

मोदी स्टोरी

मोरबी बांध दुर्घटनाः आपदा प्रबंधन में मोदीजी का प्रत्यक्ष अनुभव

गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में मोरबी अपने समृद्ध सिरेमिक व्यापार के लिए जाना जाता है। यह राजसी शहर मच्छू नदी के तट पर विकसित हुआ, जो इस क्षेत्र को उपजाऊ बनाती है।

11 अगस्त, 1979 का वह मनहूस दिन था, जब पूरे क्षेत्र में भारी बारिश हुई थी। बढ़ते जल स्तर ने मच्छू बांध को तोड़ दिया और परिणामस्वरूप पूरा क्षेत्र कुछ ही मिनटों में जलमग्न हो गया। तबाही ऐसी थी कि पूरे जिले को जलमग्न होने में 15 मिनट से भी कम समय लगा। इस क्षेत्र में बहुत से लोगों की दुःखद मृत्यु हुई। कई शव फूल गये थे और बुरी तरह विघटित अवस्था में थे। इस क्षेत्र में भारी आर्थिक नुकसान हुआ और हजारों लोगों की जान चली गई।

मोरबी को तत्काल राहत की जरूरत थी

श्री नरेन्द्र मोदी, जो उस समय 29 वर्ष के थे, ने आरएसएस के युवा प्रचारक के रूप में लोगों की सहायता के लिए काम किया। श्री मोदी ने मोरबी में राहत एवं बचाव कार्य का नेतृत्व किया।

श्री नरेन्द्र मोदी व स्वयंसेवकों को पैदल ही मोरबी पहुंचना पड़ा, क्योंकि सड़कों और गलियों में पानी भरा हुआ था। श्री मोदी ने आरएसएस स्वयंसेवकों के साथ मिलकर स्थिति का आकलन किया और बचाव एवं राहत कार्य के लिए एक विस्तृत योजना बनाई।

श्री मोदी ने सड़कों की सफाई, घरों से गंदगी साफ करने और शवों को बाहर निकालकर उनका दाह-संस्कार करने के लिए स्वयंसेवकों की अलग-अलग टीमें तैनात कीं। एक बड़ी चुनौती शवों को कीचड़ से बाहर निकालना था, क्योंकि अधिकांश शव विघटित अवस्था में थे। श्री मोदी ने शवों को कपड़े में लपेटने का विचार दिया, ताकि वे विघटित न हों। उनका दाह संस्कार करना भी एक चुनौती थी क्योंकि सूखी लकड़ी उपलब्ध नहीं थी। इसलिए श्री मोदी ने स्वयंसेवकों से उचित व्यवस्था करने और शवों का दाह संस्कार करने को कहा।

लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था की

उन्होंने स्वयंसेवकों के साथ मिलकर जीवित बचे लोगों के लिए भोजन की भी व्यवस्था की। श्री नरेन्द्र मोदी ने टीमों से प्रत्येक घर का सर्वेक्षण करने और बचे लोगों की गरिमा को बनाए रखते हुए भोजन वितरित करने को कहा।

श्री मोदी ने चिकित्सा सहायता के लिए गुजरात के विभिन्न हिस्सों से डॉक्टरों की टीमों की व्यवस्था की।

श्री मोदी द्वारा एक बाढ़ पीड़ित राहत समिति का गठन किया गया, जिसने बाढ़ से बचे लोगों की मदद के लिए उस समय 14 लाख रुपये एकत्र किये।

मोरबी में श्री नरेन्द्र मोदी को बचाव और राहत कार्य चलाने का प्रत्यक्ष अनुभव मिला। मोरबी में हुई भयानक त्रासदी ने उनके दिमाग पर गहरी छाप छोड़ी, जिसने उन्हें बाद में देश को बेहतर भारत के रूप में तैयार करने के लिए निर्देशित किया।

मोदी स्टोरी और ब्लूक्राफ्ट डिजिटल फाउंडेशन द्वारा एक पुस्तक 'रेसिलिएंट इंडियाः हाउ मोदी ट्रांसफॉर्म्ड इंडियाज डिजास्टर मैनेजमेंट पैराडाइम' प्रकाशित की गई है, जिसमें एक बेहतर भारत तैयार करने में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों का विवरण है। इसमें प्रधानमंत्री श्री मोदी के आपदा प्रबंधन के अनुभवों का विवरण भी है। ■

वरिष्ठ भाजपा नेता सुनील ओझा नहीं रहे

वरिष्ठ भाजपा नेता श्री सुनील ओझा का 29 नवंबर को निधन हो गया। उनका इलाज गुरुग्राम के एक अस्पताल में चल रहा था। श्री ओझा बिहार भाजपा के सह-प्रभारी रहे।

तबीयत खराब होने के कारण उन्हें गुरुग्राम के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। श्री सुनील ओझा गुजरात से थे। वह पहले उत्तर प्रदेश के सह-प्रभारी के रूप में अपने दायित्व का निर्वहन कर चुके हैं और वर्तमान में उन्हें बिहार में भाजपा के सह-प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

श्री सुनील ओझा ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत गुजरात से की, वे दो बार

भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर भावनगर दक्षिण सीट से विधायक रहे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने श्री ओझा के निधन पर दुःख व्यक्त किया। एक्स पर एक पोस्ट में श्री नड्डा ने कहा, "भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, बिहार भाजपा के सह-प्रभारी सुनील ओझा जी का असामयिक निधन अत्यंत दुःखद है। ओझा जी का संपूर्ण जीवन जनसेवा व संगठन को समर्पित रहा। उनका जाना भाजपा परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। मैं शोकाकुल परिजनों के प्रति गहन संवेदना प्रकट करता हूं और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूं।" ■

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाभियान को दी मंजूरी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 29 नवंबर को 24,104 करोड़ रुपये (केंद्रीय हिस्सेदारीः 15,336 करोड़ रुपये और राज्य हिस्सेदारीः 8,768 करोड़ रुपये) के कुल परिव्यय के साथ प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाभियान (पीएम जनमन) को मंजूरी दे दी। इसके अंतर्गत नौ संबंधित मंत्रालयों के माध्यम से 11 अहम क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर खूंटी से इस अभियान की घोषणा की थी।

विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार के लिए प्रधानमंत्री पीवीटीजी विकास मिशन शुरू किया जाएगा। इसके बारे में बजट भाषण 2023-24 में घोषणा की गई थी। यह पीवीटीजी परिवारों और बस्तियों को सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल एवं स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण तक बेहतर पहुंच, सड़क और दूरसंचार कनेक्टिविटी और स्थायी आजीविका के अवसरों जैसी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करेगा। अनुसूचित जनजातियों के लिए विकास कार्य योजना (डीएपीएसटी) के तहत अगले तीन वर्षों में मिशन को लागू करने के लिए 15,000 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

2011 की जनगणना के अनुसार भारत में अनुसूचित जनजाति की आबादी 10.45 करोड़ थी, जिसमें से 18 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में स्थित 75 समुदायों को विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इन पीवीटीजी को सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक क्षेत्रों में असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है। ■

कमल पुष्प सेवा, समर्पण, त्याग, संघर्ष एवं बलिदान

देवीरेड्डी सूर्यप्रकाश रेड्डी

जन्म : 18 दिसंबर, 1929
सक्रिय वर्ष : 1954-1988
जिला : अनन्तपुर

स्वर्गीय श्री डी. सूर्य प्रकाश रेड्डी बहुत कम उम्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क में आये। उन्होंने आरएसएस जिला बौद्धिक प्रमुख के रूप में कार्य किया। उन्होंने 1950-51 के दौरान रायलसीमा के सूखा प्रभावित क्षेत्र में आरएसएस द्वारा चलाए गए सूखा राहत कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने आंध्र प्रदेश में जनसंघ पार्टी के गठन के शुरुआती दिनों से ही इसके विस्तार में सक्रिय रूप से भाग लिया। 1975 में आपातकाल के दौरान उन्हें मीसा बंदी के रूप में जेल में डाल दिया गया था। वे जेल से एमएलसी के रूप में चुने गए। वह 1980 में भारतीय जनता पार्टी के पहले प्रदेश अध्यक्ष बनें। ■

ब्लॉग

भारत की जी20 अध्यक्षता के केंद्र में रही है समावेशिता

नरेन्द्र मोदी

आज भारत को जी20 की अध्यक्षता संभाले 365 दिन हो गए हैं। यह 'वसुधैव कुटुंबकम्' (एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य) की भावना को प्रतिबिंबित करने, पुनः प्रतिबद्ध होने और फिर से जीवंत करने का क्षण है। जब हमने पिछले साल यह जिम्मेदारी ली थी, तो वैश्विक परिदृश्य बहुआयामी चुनौतियों से जूझ रहा था— कोविड-19 महामारी से उबरना, बढ़ते जलवायु खतरे, वित्तीय अस्थिरता और विकासशील देशों में ऋण संकट, ये सभी गिरते बहुपक्षवाद के केंद्र में थे। संघर्षों और प्रतिस्पर्धा के कारण विकासात्मक सहयोग प्रभावित हुआ, जिससे प्रगति बाधित हुई।

जी20 का अध्यक्ष बनने के बाद भारत ने दुनिया को यथास्थिति का एक विकल्प, जीडीपी-केंद्रित से मानव-केंद्रित प्रगति की ओर बदलाव की पेशकश करने की मांग की। भारत का लक्ष्य दुनिया को यह याद दिलाना है कि हमें क्या जोड़ता है, न कि हमें क्या बांटता है। अंततः, वैश्विक पहल जो कुछ लोगों के हितों को विकसित के लिए थी, उसे कई लोगों की आकांक्षाओं तक विस्तार करना होगा। जैसाकि हम जानते थे, इसके लिए बहुपक्षवाद में मूलभूत सुधार की आवश्यकता थी।

समावेशी, महत्वाकांक्षी, कार्य-उन्मुख और निर्णायक— ये चार शब्द जी20 अध्यक्ष के रूप मे हमारे दृष्टिकोण को परिभाषित करते हैं और नई दिल्ली लीडर्स घोषणा (एनडीएलडी), जिसे सभी जी20 सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से अपनाया गया है, इन सिद्धांतों को पूरा करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। समावेशिता हमारे अध्यक्षता के केंद्र में रही है। जी20 के स्थायी सदस्य के रूप में अफ्रीकी संघ (एयू) को शामिल करने से 55 अफ्रीकी देशों को इस मंच के साथ एकीकृत किया गया, जिससे इसका विस्तार वैश्विक आबादी के 80 प्रतिशत हिस्से तक हो गया। इस सक्रिय रुख ने वैश्विक चुनौतियों और अवसरों पर अधिक व्यापक संवाद को बढ़ावा दिया है। भारत द्वारा दो संस्करणों में बुलाई गई अपनी तरह की पहली 'वॉयस ऑफ द ग्लोबल साउथ समिट' ने बहुपक्षवाद की एक नई सुबह की शुरुआत की। भारत ने अंतरराष्ट्रीय विमर्श में ग्लोबल साउथ की चिंताओं को मुख्य धारा में रखा और एक ऐसे युग की शुरुआत की है, जहां विकासशील देश वैश्विक व्याख्यान को आकार देने में अपना उचित स्थान प्राप्त करते हैं। समावेशिता ने जी20 के प्रति भारत के घरेलू दृष्टिकोण को भी प्रभावित किया, जिससे यह 'पीपुल्स प्रेसिडेंसी' बन गया जो दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए उपयुक्त है। 'जनभागीदारी' कार्यक्रमों के माध्यम से जी20 1.4 अरब नागरिकों तक पहुंच गया, जिसमें सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को भागीदार के रूप में शामिल किया गया। भारत ने सुनिश्चित किया कि अंतरराष्ट्रीय ध्यान जी20 के जनादेश के अनुरूप व्यापक विकासात्मक लक्ष्यों की ओर निर्देशित किया जाए।

समावेशी, महत्वाकांक्षी, कार्य-उन्मुख और निर्णायक— ये चार शब्द जी20 अध्यक्ष के रूप मे हमारे दृष्टिकोण को परिभाषित करते हैं और नई दिल्ली लीडर्स घोषणा (एनडीएलडी), जिसे सभी जी20 सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से अपनाया गया है, इन सिद्धांतों को पूरा करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। समावेशिता हमारे अध्यक्षता के केंद्र में रही है। जी20 के स्थायी सदस्य के रूप में अफ्रीकी संघ (एयू) को शामिल करने से 55 अफ्रीकी देशों को इस मंच के साथ एकीकृत किया गया, जिससे इसका विस्तार वैश्विक आबादी के 80 प्रतिशत हिस्से तक हो गया

2030 एजेंडा के महत्वपूर्ण बिंदु में भारत ने स्वास्थ्य, शिक्षा, लैंगिक समानता सहित परस्पर जुड़े मुद्दों पर एक व्यापक, पर्यावरणीय स्थिरता, कार्रवाई-उन्मुख दृष्टिकोण अपनाते हुए सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर प्रगति में तेजी लाने के लिए जी20 कार्य योजना पेश की। इस प्रगति को चलाने वाला एक प्रमुख क्षेत्र मजबूत डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) है। यहां, भारत अपनी सिफारिशों में निर्णायक था, जिसने आधार, यूपीआई और डिजिलॉकर जैसे डिजिटल नवाचारों के क्रांतिकारी प्रभाव को प्रत्यक्ष रूप से देखा था। जी20 के माध्यम से हमने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर रिपॉजिटरी को पूरा किया, जो वैश्विक तकनीकी सहयोग में एक महत्वपूर्ण प्रगति है। 16 देशों के 50 से अधिक डीपीआई को शामिल करने वाला यह भंडार, समावेशी विकास की शक्ति को अनलॉक करने के लिए ग्लोबल साउथ को डीपीआई बनाने, अपनाने और स्केल करने में मदद करेगा। हमारी एक पृथ्वी के लिए हमने तत्काल, स्थायी और न्यायसंगत परिवर्तन लाने के महत्वाकांक्षी और समावेशी लक्ष्य पेश किए। घोषणा-पत्र का 'हरित विकास समझौता' एक व्यापक रोडमैप की रूपरेखा तैयार करके भूख से निपटने और ग्रह की रक्षा के बीच चयन करने की चुनौतियों का समाधान करता है, जहां रोजगार और पारिस्थितिकी तंत्र मानार्थ हैं, खपत जलवायु के प्रति जागरूक है और

उत्पादन ग्रह के अनुकूल है।

इसके साथ ही, जी20 घोषणापत्र में 2030 तक वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना करने का महत्वाकांक्षी आह्वान किया गया है। ग्लोबल बायोफ्यूल्स एलायंस की स्थापना और ग्रीन हाइड्रोजन के लिए एक ठोस प्रयास के साथ एक स्वच्छ, हरित दुनिया बनाने की जी20 की महत्वाकांक्षा निर्विवाद है। यह हमेशा से भारत का लोकाचार रहा है और सतत विकास के लिए जीवन शैली (लाइफ) के माध्यम से दुनिया हमारी सदियों पुरानी टिकाऊ परंपराओं से लाभ उठा सकती है। इसके अलावा, घोषणा-पत्र जलवायु न्याय और समानता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, संपन्न देशों से पर्याप्त वित्तीय और तकनीकी सहायता का आग्रह करता है। पहली बार, विकास वित्तपोषण के परिमाण में आवश्यक मात्रा में उछाल की पहचान हुई, जो अरबों से खरबों डॉलर तक पहुंच गई। जी20 ने स्वीकार किया कि विकासशील देशों को 2030 तक अपने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) को पूरा करने के लिए 5.9 ट्रिलियन डॉलर की आवश्यकता है। आवश्यक संसाधनों को देखते हुए जी20 ने बेहतर, बड़े और अधिक प्रभावी बहुपक्षीय विकास बैंकों के महत्व पर जोर दिया। कुल मिलाकर भारत संयुक्त राष्ट्र सुधारों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् जैसे प्रमुख अंगों के पुनर्गठन में, जो एक अधिक न्यायसंगत वैश्विक व्यवस्था सुनिश्चित करेगा।

जी20 घोषणापत्र में 2030 तक वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना करने का महत्वाकांक्षी आह्वान किया गया है। ग्लोबल बायोफ्यूल्स एलायंस की स्थापना और ग्रीन हाइड्रोजन के लिए एक ठोस प्रयास के साथ एक स्वच्छ, हरित दुनिया बनाने की जी20 की महत्वाकांक्षा निर्विवाद है। यह हमेशा से भारत का लोकाचार रहा है और सतत विकास के लिए जीवन शैली (लाइफ) के माध्यम से दुनिया हमारी सदियों पुरानी टिकाऊ परंपराओं से लाभ उठा सकती है। इसके अलावा, घोषणा-पत्र जलवायु न्याय और समानता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, संपन्न देशों से पर्याप्त वित्तीय और तकनीकी सहायता का आग्रह करता है

घोषणापत्र में लैंगिक समानता को केंद्र में रखा गया, जिसकी परिणति अगले वर्ष महिलाओं के सशक्तीकरण पर एक समर्पित कार्य समूह के गठन के रूप में हुई। भारत का महिला आरक्षण विधेयक 2023 भारत की संसद और राज्य विधान सभा की एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करता है, जो महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। नई दिल्ली घोषणा नीतिगत सुसंगतता, विश्वसनीय व्यापार, और महत्वाकांक्षी जलवायु कार्रवाई पर ध्यान केंद्रित करते हुए इन प्रमुख प्राथमिकताओं में सहयोग की एक नई भावना का प्रतीक है। यह गर्व की बात है कि हमारी अध्यक्षता के दौरान, जी20 ने 87 परिणाम हासिल किए और 18 दस्तावेज़ अपनाए गए, जो अतीत की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि है। हमारी जी20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने भू-राजनीतिक मुद्दों और आर्थिक वृद्धि एवं विकास पर उनके प्रभाव पर विचार-विमर्श का नेतृत्व किया। आतंकवाद और नागरिकों की संवेदनहीन हत्या अस्वीकार्य है और हमें इसे शून्य सहिष्णुता की नीति के साथ हल करना चाहिए। हमें शत्रुता की जगह मानवतावाद को अपनाना चाहिए और याद रखना चाहिए कि यह युद्ध का युग नहीं है।

मुझे खुशी है कि हमारी अध्यक्षता के दौरान भारत ने असाधारण उपलब्धि हासिल की। इसने बहुपक्षवाद को पुनर्जीवित किया, वैश्विक दक्षिण की आवाज को आगे बढ़ाया, विकास का समर्थन किया और महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए संघर्ष किया।

जैसे ही हमनें ब्राजील को जी20 की अध्यक्षता सौंपी, तो हमें विश्वास हैं कि लोगों, ग्रह, शांति और समृद्धि के लिए हमारे सामूहिक कदम आने वाले वर्षों तक गूंजते रहेंगे। ■

(लेखक भारत के प्रधानमंत्री हैं)

प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता

7 दिसंबर, 2023 को अमेरिका स्थित कंसल्टेंसी फर्म 'मॉर्निंग कंसल्ट' द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 77 प्रतिशत की अनुमोदन रेटिंग के साथ दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता के रूप में अपना स्थान बरकरार रखा है।

सीओपी28, दुबई (यूएई)

प्रधानमंत्री ने 2028 में संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन की मेजबानी करने का किया प्रस्ताव

जलवायु से जुड़े अपने वादों को पूरा करने की राह पर आगे बढ़ने वाले दुनिया के कुछ देशों में भारत के भी होने को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2028 में संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन की मेजबानी करने का एक दिसंबर को प्रस्ताव किया। साथ ही, 'ग्रीन क्रेडिट इनिशिएटिव' की शुरुआत की, जो लोगों की भागीदारी के माध्यम से 'कार्बन सिंक' तैयार करने के प्रति लक्षित है।

श्री मोदी ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) स्थित दुबई में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी28) के दूसरे दिन कई उच्च स्तरीय कार्यक्रमों में भाग लेते हुए कहा कि विकसित देशों को 2050 से पहले अपने कार्बन उत्सर्जन में पूरी तरह से कमी लानी चाहिए और सभी विकासशील देशों को वैश्विक कार्बन बजट में उनका उचित हिस्सा देना चाहिए।

उन्होंने विभिन्न देशों से सीओपी28 में विकासशील और गरीब देशों को जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद करने के लिए वित्तपोषण पर ठोस कदम उठाने का भी आग्रह किया।

'ग्रीन क्रेडिट इनिशिएटिव'

संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन (सीओपी28) के दौरान राष्ट्राध्यक्षों और सरकारों के प्रमुखों के उच्च स्तरीय सत्र को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने पृथ्वी अनुकूल सक्रिय और सकारात्मक पहल का आह्वान करते हुए कहा कि 'ग्रीन क्रेडिट इनिशिएटिव' कार्बन क्रेडिट से जुड़ी व्यावसायिक मानसिकता से परे है।

उन्होंने कहा, "यह लोगों की भागीदारी के माध्यम से 'कार्बन सिंक' तैयार करने पर केंद्रित है और मैं आप सभी को इस पहल में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता हूं।" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दुनिया के पास पिछली सदी की गलतियों को सुधारने के लिए ज्यादा समय नहीं है।

प्रधानमंत्री ने पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विचारों, ज्ञान और अनुभवों को एकत्र करने के लिए एक वैश्विक पोर्टल शुरू करने की भी घोषणा की। इस मंच का उद्देश्य वैश्विक नीतियों, परंपराओं और ग्रीन क्रेडिट की मांग को प्रभावित करना है।

उल्लेखनीय है कि भारत ने 2002 में नयी दिल्ली में सीओपी8 की मेजबानी की, जहां देशों ने दिल्ली मंत्रिस्तरीय घोषणापत्र को अपनाया, जिसमें विकसित देशों द्वारा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और विकासशील देशों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के प्रयासों का आह्वान किया गया।

प्रधानमंत्री ने सीओपी28 में 'ट्रांसफॉर्मिंग क्लाइमेट फाइनेंस' पर एक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भारत 'न्यू कलेक्टिव क्वांटिफाइड गोल' (एनसीक्यूजी) पर ठोस और वास्तविक प्रगति की उम्मीद करता है, जो 2025 के बाद का एक नया वैश्विक जलवायु वित्त लक्ष्य है।

उन्होंने कहा, "विकसित देशों को 2050 से पहले ही कार्बन उत्सर्जन की तीव्रता को पूरी तरह कम करना चाहिए।"

विकसित देशों ने 2009 में जलवायु परिवर्तन से निपटने के वास्ते विकासशील देशों की सहायता के लिए 2020 तक प्रतिवर्ष 100 अरब अमेरिकी डॉलर जुटाने का वादा किया था। वर्ष 2025 तक इस उद्देश्य के लिए समय-सीमा के विस्तार के बावजूद इन देशों ने इस प्रतिबद्धता को पूरा नहीं किया है।

सीओपी28 का लक्ष्य 100 अरब अमेरिकी डॉलर के लक्ष्य को पूरा करते हुए 2025 के बाद के नए वैश्विक जलवायु वित्त लक्ष्य के लिए आधार तैयार करना है। इन देशों का लक्ष्य 2024 में सीओपी29 तक इस नए लक्ष्य को अंतिम रूप देना है।

श्री मोदी ने कहा कि हरित जलवायु कोष और अनुकूलन कोष (एडॉप्टेशन फंड) में पैसे की कमी नहीं होनी चाहिए और इनकी तुरंत पूर्ति की जाए। उन्होंने कहा कि बहुपक्षीय विकास बैंकों को न केवल विकास के लिए, बल्कि जलवायु कार्रवाई के लिए भी किफायती वित्त उपलब्ध कराना चाहिए।

उन्होंने कहा, "पिछली सदी में मानवता के एक छोटे वर्ग ने प्रकृति का अंधाधुंध दोहन किया। हालांकि, पूरी मानवता को इसकी कीमत चुकानी पड़ रही है, खासकर 'ग्लोबल साउथ' में रहने वाले लोगों को।" प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और 'ग्लोबल साउथ' के अन्य देशों ने जलवायु संकट में बहुत कम योगदान दिया है, लेकिन ये सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। ■

जम्मू और कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2023 और जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 लोक सभा में पारित

ये कश्मीर के विस्थापितों को अधिकार और प्रतिनिधित्व देने का बिल है: अमित शाह

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने छह दिसंबर को लोक सभा में जम्मू और कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2023 और जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 पर चर्चा का जवाब दिया। चर्चा के बाद लोक सभा ने जम्मू और कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2023 तथा जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 को ध्वनि मत से पारित कर दिया

लोक सभा में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि कुल 29 वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए, लेकिन बिल के उद्देश्यों के साथ सभी ने सहमति जताई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लाए गए सैकड़ों प्रगतिशील परिवर्तनों की कड़ी में ये विधेयक एक और मोती जोड़ने का काम करेंगे। श्री शाह ने कहा कि 70 सालों से जिन लोगों के साथ अन्याय हुआ, जो अपमानित हुए और जिनकी अनदेखी हुई, ये विधेयक उन्हें अधिकार और न्याय दिलाने वाले हैं। जो लोग इन्हें वोट बैंक के रूप में उपयोग कर, अच्छे भाषण देकर राजनीति में वोट हासिल करने का ज़रिया समझते हैं वे इसके नाम के बारे में नहीं समझ सकते। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एक ऐसे नेता हैं जो स्वयं गरीब घर में जन्म लेकर आज देश के प्रधानमंत्री बने हैं और वे पिछड़ों और गरीबों का दर्द जानते हैं। जब ऐसे लोगों को आगे बढ़ाने की बात होती है, तब मदद से ज्यादा सम्मान के मायने होते हैं।

- जम्मू-कश्मीर के इतिहास में पहली बार 9 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित की गई हैं और अनुसूचित जाति के लिए भी सीटों का आरक्षण किया गया है
- पहले जम्मू में 37 सीटें थीं जो अब 43 हो गई हैं, कश्मीर में पहले 46 सीटें थीं वो अब 47 हो गई हैं
- पाक-अधिकृत कश्मीर की 24 सीटें रिज़र्व रखी गई हैं
- पहले जम्मू और कश्मीर विधानसभा में 107 सीटें थीं, अब 114 सीटें हो गई हैं
- पहले 2 नामित सदस्य होते थे, अब 5 होंगे

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि जम्मू और कश्मीर में 1980 के दशक के बाद आतंकवाद का दौर आया और जो लोग पीढ़ियों से वहां रहते थे, वे समूल वहां से विस्थापित हो गए लेकिन किसी ने उनकी परवाह नहीं की। श्री शाह ने कहा कि विस्थापितों को अपने ही देश के अन्य हिस्सों में शरणार्थी बनकर रहना पड़ा और वर्तमान आंकड़ों के अनुसार लगभग 46,631 परिवारों के 1,57,967 लोग अपने ही देश में विस्थापित हो गए। उन्होंने कहा कि ये विधेयक उन्हें अधिकार और प्रतिनिधित्व देने वाला बिल है।

श्री शाह ने कहा कि 1947 में 31,779 परिवार पाक-अधिकृत कश्मीर से जम्मू और कश्मीर में विस्थापित हुए और इनमें से 26,319 परिवार जम्मू और कश्मीर में और 5,460 परिवार देशभर के अन्य हिस्सों में रहने लगे। उन्होंने कहा कि 1965 और 1971 में हुए युद्धों के बाद 10,065 परिवार विस्थापित हुए और कुल मिलाकर 41,844 परिवार विस्थापित हुए।

उन्होंने कहा कि 5-6 अगस्त, 2019 को प्रधानमंत्री मोदी ने इन विस्थापितों की दशकों से ना सुनाई देने वाली आवाज़ को सुना और इन्हें अधिकार दिए। श्री शाह ने कहा कि न्यायिक डिलिमिटेशन 5 और 6 अगस्त, 2019 को पारित बिल का ही हिस्सा था। उन्होंने कहा कि डिलिमिटेशन कमीशन, डिलिमिटेशन और डिमार्केटेड असेंबली लोकतंत्र का मूल और जनप्रतिनिधि को चुनने की इकाई तय करने की प्रक्रिया है। अगर डिलिमिटेशन की प्रक्रिया ही पवित्र नहीं है, तो लोकतंत्र कभी पवित्र नहीं रह सकता। इसीलिए इस बिल में प्रावधान किया गया है कि न्यायिक डिलिमिटेशन फिर से किया जाएगा। श्री शाह ने कहा कि विस्थापितों के सभी समूहों ने डिलिमिटेशन कमीशन से कहा कि उनके प्रतिनिधित्व के बारे में संज्ञान लिया जाए और ये हर्ष का विषय है कि कमीशन ने प्रावधान किया है कि 2 सीटें कश्मीरी विस्थापितों और 1 सीट पाक-अधिकृत कश्मीर से विस्थापित लोगों के लिए नामांकित की जाए। ■

बचाव अभियान की सफलता हर किसी के लिए भावनात्मक क्षण है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 28 नवंबर को उत्तरकाशी सुरंग बचाव अभियान से जुड़े सभी लोगों के जज्बे को सलाम किया। श्री मोदी ने कहा कि उत्तरकाशी स्थित सुरंग में हमारे श्रमिक भाइयों के बचाव अभियान की सफलता हर किसी के लिए भावनात्मक क्षण है। उन्होंने सुरंग में फंसे लोगों के साहस और धैर्य की सराहना करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस मिशन में शामिल हर किसी ने मानवता और टीम वर्क की एक अद्भुत मिसाल कायम की है।

श्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, "उत्तरकाशी में हमारे श्रमिक भाइयों के रेस्क्यू ऑपरेशन की सफलता हर किसी को भावुक कर देने वाली है। सुरंग में जो साथी फंसे हुए थे, उनसे मैं कहना चाहता हूं कि आपका साहस और धैर्य हर किसी को प्रेरित कर रहा है। मैं आप सभी की कुशलता और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं।

श्री मोदी ने कहा कि मैं इस बचाव अभियान से जुड़े सभी लोगों के जज्बे को भी सलाम करता हूं। उनकी बहादुरी और संकल्प-शक्ति ने हमारे श्रमिक भाइयों को नया जीवन दिया है। इस मिशन में शामिल हर किसी ने मानवता और टीम वर्क की एक अद्भुत मिसाल कायम की है।

हाल के वर्षों में सबसे महत्वपूर्ण बचाव अभियानों में से एक: नितिन गडकरी

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने 28 नवंबर को कहा कि वह पूरी तरह से राहत और प्रसन्नता का अनुभव कर रहे हैं, क्योंकि सिलक्यारा सुरंग हादसे में फंसे 41 श्रमिकों को सफलतापूर्वक सुरक्षित बचा लिया गया है। अपनी एक पोस्ट में श्री गडकरी ने कहा कि यह कई एजेंसियों द्वारा बेहतर तरीके से संचालित एक समन्वित प्रयास और हाल के वर्षों में सबसे महत्वपूर्ण बचाव अभियानों में से एक है। उन्होंने कहा कि कई चुनौतियों का सामना करने के बावजूद विभिन्न विभाग और एजेंसियां एक-दूसरे के पूरक बनी रही हैं। उन्होंने कहा कि सभी के अथक और सत्यनिष्ठ प्रयासों और सभी की प्रार्थनाओं से यह अभियान संभव हो पाया है। ■

प्रधानमंत्री ने उत्तरकाशी सुरंग से बचाए गए श्रमिकों से की बात

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तराखंड के उत्तरकाशी में सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों को सकुशल बाहर निकलने पर 28 नवंबर की देर रात उनसे फोन पर हृदयस्पर्शी व भावभीनी बात की। श्री मोदी ने कहा कि इतने दिन खतरे में रहने के बाद सुरक्षित बाहर आने के लिए मैं आपको बधाई देता हूं। यह मेरे लिए प्रसन्नता की बात है और मैं इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता। अगर कुछ बुरा हो जाता तो पता नहीं, हम इसे कैसे बर्दाश्त करते। ईश्वर की कृपा है कि आप सब सुरक्षित हैं।

श्री मोदी ने श्रमिकों से कहा कि उनके साहस और धैर्य ने सभी को प्रेरित किया है। उन्होंने उनके अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण की कामना की। प्रधानमंत्री ने कहा, "यह बहुत संतुष्टि की बात है कि हमारे ये मित्र लंबे इंतजार के बाद अपने प्रियजनों से मिलेंगे।" उन्होंने कहा कि उनके परिवार के सदस्यों के धैर्य और साहस की जितनी प्रशंसा की जाए कम है।

श्रमिकों ने भी श्री मोदी से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि हालांकि वे कई दिनों से सुरंग में फंसे हुए थे, लेकिन उन्हें कभी कोई डर या घबराहट महसूस नहीं हुई। श्रमिकों ने कहा कि हम भाइयों की तरह थे, हम एक साथ थे। उन्होंने कहा कि हम सुरंग के अंदर ही योग करते थे और मॉर्निंग वॉक भी करते थे। श्रमिकों ने कहा कि हम उत्तराखंड सरकार का शुक्रिया अदा करते हैं। ■

'वोकल फॉर लोकल' अभियान रोजगार की गारंटी है: नरेन्द्र मोदी

'वोकल फॉर लोकल' की सफलता 'विकसित भारत-समृद्ध भारत' के द्वार खोल रही है तथा 'वोकल फॉर लोकल' का अभियान पूरे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देता है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 26 नवंबर को मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की शुरुआत मुंबई हमले में अपना जीवन गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देकर की। श्री मोदी ने कहा कि आज 26 नवंबर हम कभी भी भूल नहीं सकते हैं। आज के ही दिन देश पर सबसे जघन्य आतंकी हमला हुआ था। आतंकियों ने मुंबई को, पूरे देश को थर्राकर रख दिया था, लेकिन ये भारत की सामर्थ्य है कि हम उस हमले से उबरे और अब पूरे हौसले के साथ आतंक को कुचल भी रहे हैं। मुंबई हमले में अपना जीवन गंवाने वाले सभी लोगों को मैं श्रद्धांजलि देता हूं। इस हमले में हमारे जो जांबाज वीरगति को प्राप्त हुए, देश आज उन्हें याद कर रहा है।

भारतीय उत्पादों के प्रति यह भावना केवल त्योहारों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। अभी शादियों का मौसम भी शुरू हो चुका है। कुछ व्यापार संगठनों का अनुमान है कि शादियों के इस सीजन में करीब 5 लाख करोड़ रुपए का कारोबार हो सकता है। शादियों से जुड़ी खरीदारी में भी आप सभी भारत में बने उत्पादों को ही महत्व दें

26 नवंबर: संविधान दिवस

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 'मन की बात' की 107वीं कड़ी में कहा कि 26 नवंबर का आज का यह दिन एक और वजह से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। 1949 में आज ही के दिन संविधान सभा ने भारत के संविधान को अंगीकार किया था। मुझे याद है जब साल 2015 में हम बाबा साहेब आंबेडकर की 125वीं जन्म जयन्ती मना रहे थे, उसी समय ये विचार आया था कि 26 नवंबर को 'संविधान दिवस' के तौर पर मनाया जाए और तब से हर साल आज के इस दिन को हम संविधान दिवस के रूप में मनाते आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण की कमान जब जनता-जनार्दन संभाल लेती है, तो दुनिया की कोई भी ताकत उस देश को आगे बढ़ने से नहीं रोक पाती। आज भारत में भी स्पष्ट दिख रहा है कि कई परिवर्तनों का नेतृत्व देश की 140 करोड़ जनता ही कर रही है। इसका एक प्रत्यक्ष उदाहरण हमने त्योहारों के इस समय में देखा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले महीने 'मन की बात' में मैंने 'वोकल फॉर लोकल' यानी स्थानीय उत्पादों को खरीदने पर जोर दिया था। बीते कुछ दिनों के भीतर ही दिवाली, भैया दूज और छठ पर देश में चार लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार हुआ है और इस दौरान भारत में बने उत्पादों को खरीदने का जबरदस्त उत्साह लोगों में देखा गया।

श्री मोदी ने कहा कि जैसे 'स्वच्छ भारत अभियान' की सफलता ही उसकी प्रेरणा बन रही है, वैसे ही 'वोकल फॉर लोकल' की सफलता 'विकसित भारत-समृद्ध भारत' के द्वार खोल रही है। 'वोकल फॉर लोकल' का ये अभियान पूरे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देता है। 'वोकल फॉर लोकल' अभियान रोजगार की गारंटी है। यह विकास की गारंटी है, ये देश के संतुलित विकास की गारंटी है।

उन्होंने कहा कि भारतीय उत्पादों के प्रति यह भावना केवल त्योहारों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। अभी शादियों का मौसम भी शुरू हो चुका है। कुछ व्यापार संगठनों का अनुमान है कि शादियों के इस सीजन में करीब 5 लाख करोड़ रुपए का कारोबार हो सकता है। शादियों से जुड़ी खरीदारी में भी आप सभी भारत में बने उत्पादों को ही महत्व दें।

क्यों न हम अपने ही देश में करें शादी-ब्याह

श्री मोदी ने कहा कि भारत की मिट्टी में भारत के लोगों के बीच अगर हम शादी ब्याह मनाएं, तो देश का पैसा देश में रहेगा। देश के लोगों को आपकी शादी में कुछ-न-कुछ सेवा करने का अवसर मिलेगा, छोटे-छोटे गरीब लोग भी अपने बच्चों को आपकी शादी की बातें बताएंगे। क्या आप 'वोकल फॉर लोकल' के इस मिशन को विस्तार दे सकते हैं? क्यों न हम शादी-ब्याह ऐसे समारोह अपने ही देश में करें? हो सकता है आपको चाहिए वैसी व्यवस्था आज नहीं होगी, लेकिन अगर हम इस प्रकार के आयोजन करेंगे, तो व्यवस्थाएं भी विकसित होंगी। ■

सभी समाज की 'महिलाएं, युवा, किसान और गरीब' ये हैं देश की 4 जातियां: नरेन्द्र मोदी

संसद के शीतकालीन सत्र से पहले प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने चार दिसंबर को मीडिया को अपना वक्तव्य दिया। अपने वक्तव्य में श्री मोदी ने कहा कि ठंड शायद विलंब से चल रही है और बहुत धीमी गति से ठंड आ रही है, लेकिन राजनीतिक गर्मी बड़ी तेजी से बढ़ रही है। कल ही चार राज्यों के चुनाव नतीजे आए हैं, बहुत ही उत्साहवर्द्धक परिणाम हैं।

उन्होंने कहा कि ये उनके लिए उत्साहवर्द्धक हैं जो देश के सामान्य मानवी के कल्याण के लिए, देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित हैं। विशेषकर सभी समाजों की सभी समूहों की, शहर और गांव की महिलाएं, सभी समाज के सभी समूह के गांव और शहर के युवा, हर समुदाय के समाज के किसान और मेरे देश के गरीब, ये चार ऐसी महत्वपूर्ण जातियां हैं जिनका सशक्तीकरण उनके भविष्य को सुनिश्चित करने वाली ठोस योजनाएं और उनकी अंतिम व्यक्ति तक पहुंच, इन उसूलों को ले करके जो चलते हैं, उन्हें भरपूर समर्थन मिलता है।

देश ने नकारात्मकता को नकारा

श्री मोदी ने कहा कि देश ने नकारात्मकता को नकारा है। मैं लगातार सत्र के प्रारंभ में विपक्ष के साथियों के साथ हमारा विचार-विमर्श होता है, हमारी मुख्य टीम उनसे चर्चा करती है, मिल करके भी सबके सहयोग के लिए हम हमेशा प्रार्थना करते हैं, आग्रह करते हैं।

उन्होंने कहा कि हर किसी का भविष्य उज्ज्वल है, निराश होने की जरूरत नहीं है, लेकिन कृपा करके बाहर की पराजय का गुस्सा सदन में मत उतारना। हताशा-निराशा होगी, आपके साथियों को आपका दम दिखाने के लिए कुछ न कुछ करना भी पड़ेगा, लेकिन कम से कम लोकतंत्र के इस मंदिर को वो मंच मत बनाइए। ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : ....

पूरा पता : ....

....

.... पिन : ....

दूरभाष : .... मोबाइल : (1)................................ (2)..........................

ईमेल : ....

सदस्यता	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :.................................. दिनांक :............................ बैंक : ....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

25 नवंबर, 2023 को भारतीय वायुसेना के मल्टीरोल फाइटर जेट तेजस में उड़ान भरने के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 04 दिसंबर, 2023 को संसद के शीतकालीन सत्र से पहले मीडिया को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

एम्स (देवघर) में 30 नवंबर, 2023 को ऐतिहासिक 10,000वें जन औषधि केंद्र राष्ट्र को समर्पित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

30 नवंबर, 2023 को राष्ट्रीय रोजगार मेले को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

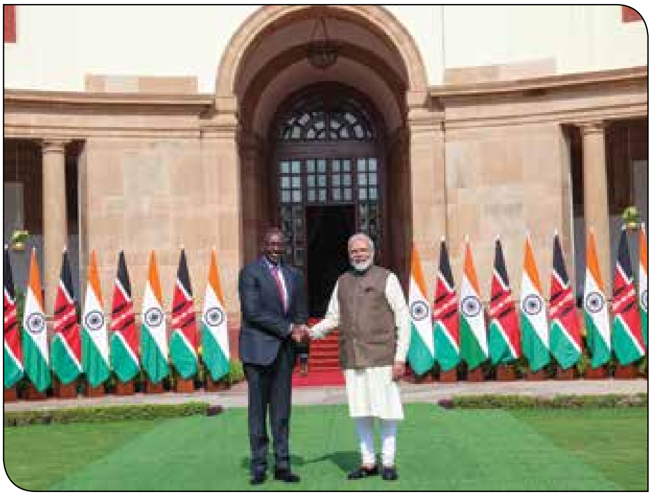

हैदराबाद हाउस (नई दिल्ली) में 05 दिसंबर, 2023 को केन्या के राष्ट्रपति श्री विलियम समोई रुतो से मुलाकात करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

दुबई में 01 दिसंबर, 2023 को कॉप28 यूएई शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित
प्रकाशन तिथि: 14 दिसंबर, 2023
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

छायाकार: अजय कुमार सिंह